राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 13, अंक 259 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरूवार 11 जुलाई 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

मुस्लिम महिलाएं भी पति से मांग सकती हैं गुजारा भत्ता, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला लेते हुए कहा है कि कोई भी मुस्लिम तलाकशुदा महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत पति से गुजारे भत्ता मिले की हकदार है. इस वजह से वह गुजारे भत्ते के लिए याचिका दायर कर सकती है. जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुस्लिम महिला भरण-पोषण के लिए कानूनी अधिकार का इस्तेमाल कर सकती हैं. वो इससे संबंधित दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये धारा सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है, फिर चाहे उनका धर्म कुछ भी हो. मुस्लिम महिलाएं भी इस प्रावधान का सहारा ले सकती हैं. कोर्ट ने एक बार फिर कहा है कि मुस्लिम महिला अपने पति के खिलाफ धारा 125 सीआरपीसी के तहत भरण-पोषण के लिए याचिका दायर कर सकती है. हालांकि, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने अलग-अलग फैसला सुनाया लेकिन दोनो की राय समान है.

छत्तीसगढ़ जल्दी ही वापस पाएगा 'पॉवर सरप्लस स्टेट' का दर्जा : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

राज्य और केन्द्र सरकार के बेहतर समन्वय से छत्तीसगढ़ का होगा तेजी से विकास : मनोहर लाल

केन्द्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री ने छत्तीसगढ़ में हो रहे कार्यों की समीक्षा की

रायपुर (समय दर्शन)। केन्द्रीय विद्युत तथा आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने रायपुर प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ में ऊर्जा तथा शहरों में आवास व जनसुविधाएं विकसित करने किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रालय में आयोजित बैठक में कहा कि राज्य और केन्द्र सरकार के बेहतर समन्वय से छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास होगा। छत्तीसगढ़ में बिजली और आवास से संबंधित सभी आवश्यकताएं पूर्ण करने के लिए भारत सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अनेक सुधारवादी कदम उठाएं जा रहे हैं। जनआकांक्षाओं के अनुरूप काम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरूण साव, केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू और मुख्य सचिव अमिताभ जैन भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बैठक में कहा कि लोगों को सस्ती और पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने केन्द्र सरकार द्वारा अनेक अनुदान योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए भी कई योजनाएं हैं। उन्होंने राज्य सरकार को भारत सरकार द्वारा दी जा रही सभी निधियों और अनुदानों का पूर्ण उपयोग करने को कहा। राज्य में जिस तेजी से काम होंगे, उसी तेजी से भारत सरकार द्वारा राशि जारी की जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य में विकास योजनाओं को लेकर केन्द्र सरकार की ओर से कोई कठिनाई नही आएगी। दोनों बेहतर समन्वय से काम करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बैठक में केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल को धन्यवाद देते हुए कहा कि कार्यभार सम्भालने के एक माह के भीतर ही वे यहां विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। उनके सहयोग से राज्य में विकास की गति को तेज करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए राज्य में तेजी से काम हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ जल्दी ही 'पॉवर सरप्लस स्टेट' का दर्जा वापस पा लेगा। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री को बताया कि प्रदेश में पिछले छह महीनों में किसानों और छोटे कामगारों के लिए बिजली की उपलब्धता में सुधार आया है। किसानों को तीन एचपी तक कि सिंचाई पंपों में सालाना छह हजार यूनिट तक और तीन से पांच एचपी के पंपों में साढ़े सात हजार यूनिट तक के बिजली बिल में छूट दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत स्वीकृति के लिए लंबित 19 हजार 906 आवास एवं विकसित भारत संकल्प यात्रा में एकत्रित आवेदनों के अनुरूप राज्य को पुनरीक्षित केन्द्रांश के साथ करीब 50 हजार आवासों को प्राथमिकता से स्वीकृत करने का अनुरोध किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि आज की यह बैठक राज्य में ऊर्जा और शहरी विकास को नई गति प्रदान करेगी। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्रीअरूण साव ने बैठक में कहा कि शहरों के विकास के लिए भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप हम लगातार काम कर रहे हैं।

विद्युतीकरण और बिजली उत्पादन के लिए कोयला की उपलब्धता की समीक्षा की

केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बैठक में सुझाव दिया कि विलीन सिटी के तहत रायपुर को मिली 100 बसों का उपयोग नया रायपुर और रायपुर के बीच चलाने के लिए भी कर सकते हैं। उन्होंने विद्युत विभाग के अंतर्गत लाइन-लॉस को कम करने के लिए किए जा रहे कार्यों, स्मार्ट मीटर की स्थापना, विशेष पिछड़ी जनजाति क्षेत्रों में विद्युतीकरण और बिजली उत्पादन के लिए कोयला की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने आवासन एवं शहरी कार्यों के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम स्वनिधि, अमृत मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम ई-बस सेवा, स्मार्ट सिटी मिशन और राष्ट्रीय शहरी विकास मिशन के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इन योजनाओं के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

केजरीवाल को राहत नहीं: जमानत मामले पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध खारिज

हाईकोर्ट में हुई तीखी बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्च न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली आबकारी नीति धन शोधन मामले में अरविंद केजरीवाल की जमानत मामले पर तत्काल सुनवाई के अनुरोध को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने पहले ट्रायल कोर्ट द्वारा केजरीवाल को दी गई जमानत पर रोक लगा दी थी, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ट्रायल कोर्ट के जमानत आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का रुख किया था।

हाईकोर्ट की जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने आज मामले की सुनवाई टाल दी, क्योंकि अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने कहा कि ईडी की याचिका पर केजरीवाल का जवाब उन्हें कल देर रात दिया गया और एजेंसी को इस पर जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए समय चाहिए। राजू ने कहा कि जवाबी प्रति उन्हें मंगलवार रात 11 बजे दी गई और उनके पास जवाबी हलफनामा तैयार करने और दाखिल करने का समय नहीं है। केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने ईडी के दावे को चुनौती दी। सिंघवी ने कहा कि जवाबी प्रति मंगलवार दोपहर 1 बजे जांच कार्यालय (आईओ) को भेज दी गई। सिंघवी ने कहा कि मामले में बहुत जल्दी है, क्योंकि केजरीवाल को दी गई जमानत पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है।

लद्दाख में सोने की बड़ी खेप जब्त: चीन से तस्करी कर लाया गया 108 किलो गोल्ड, आईटीबीपी ने पकड़ा, दो गिरफ्तार

जम्मू/लेह (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में सोने की एक बड़ी खेप पकड़ी गई है। आईटीबीपी के जवानों ने चीन से तस्करी कर लद्दाख में लाई गई 108 किलो सोने की खेप को जब्त किया है। इस मामले में दो तस्कर गिरफ्तार किए गए हैं। प्रदेश के जिला लेह के न्योमा सेक्टर में दो आरोपी धरे गए हैं।

21 बटालियन आईटीबीपी के जवानों ने घोड़ों के साथ दो तस्करों से 108 किलोग्राम सोने की खेप पकड़ी। दोनों आरोपियों की पहचान त्सेरिंग चिनबा और स्टैनजिन दोरग्याल निवासी कोयुल, न्योमा के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास कोयुल गांव में एक व्यक्ति के घर में कई करोड़ रुपये का सोना रखा हुआ था। इसकी खुफिया जानकारी मिल रही थी। इन सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए आईटीबीपी और स्थानीय पुलिस ने सोने की जब्ती की है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

"मौसम के जोखिमों से हमारे मेहनती किसान भाई–बहनों के हितों को सुरक्षित करने में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना काफी कारगर साबित हो रही है। इसका लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है।"
– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

फसल बीमा कराओ
सुरक्षा कवच पाओ

8 वर्षों की मुख्य उपलब्धियां

62 करोड़ से अधिक किसान आवेदन प्राप्त | 19.67 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों को फसल मुआवजा का वितरण | ₹1.60 लाख करोड़ से अधिक का बीमा दावा भुगतान

देशव्यापी हेल्पलाइन 14447

पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2024

nafed
नाफेड का भरोसा

e-samridhi

अपनी फसल नाफेड को सीधे बेचने हेतु पोर्टल पर पंजीकरण के लिए QR कोड स्कैन करें

बीमा प्रीमियम के अलावा किसी एजेंट या सीएससी को कोई भी शुल्क न दें।

अतिरिक्त शुल्क मांगने पर 14447 पर सूचना दें।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

बीमा भागीदार: AIC, Bajaj Allianz, Chola MS, Future Generali, HDFC ERGO, ICICI Lombard, IFFCO-TOKIO, Kshema, Oriental Insurance, Reliance General Insurance, SBI general, TATA AIG, Universal Sompo General Insurance

अपनी फसलों को आज ही बीमित करने के लिए संपर्क करें

जनसेवा केंद्र | क्रॉप इंश्योरेंस ऐप https://play.google.com | पोस्ट ऑफिस | बैंक शाखा

@PMFBY

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

संक्षिप्त समाचार

साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा

महासमुंद (समय दर्शन)। कलेक्टर प्रभात मलिक के निर्देशानुसार जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस आलोक ने आज समय सीमा की बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। सीईओ आलोक ने बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए दूषित पानी से होने वाले डायरिया और संक्रमण की रोकथाम के लिए पीएचई विभाग को पेयजल का क्लोरीनेशन और पाइप लाइन लीकेज की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य विभाग को राशन दुकानों में खाद्य सामग्री का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश दिए। साथ ही राशन कार्ड निर्माण, नवीनीकरण और मृत व्यक्तियों के नाम हटाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। आदिवासी छात्रावास और आश्रमों में सिकलसेल एनीमिया जांच के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए। जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में शिविर लगाकर दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने संबंधित विभाग को कहा। उन्होंने सभी ग्राम पंचायतों में नए सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर रवि साहू ने अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों के श्रमिक पंजीयन कार्ड बनाने और योजनाओं का लाभ दिलाने को कहा। उन्होंने खाद और बीज उठाव की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए। बैठक में डिप्टी कलेक्टर मनोज खांडे सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोर-मकान मोर-आस योजना के आबंटित हितग्राहियो को मकान की चाबी सौंप कर कब्जा किया गया प्रदान

भिलाईनगर (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना केन्द्र सरकार की अति महत्वकांक्षी योजना है। जिसके अंतर्गत आवासहीन हितग्राहियो को नियमानुसार पक्का आवास प्रदान किया जा रहा है। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत अविनाश मट्रोपोलिस जुनवानी में प्रधानमंत्री आवास योजना मोर-मकान मोर-आस के तहत आवेदन करने वाले हितग्राहियों की लॉटरी निकाली गई थी। जिसमें चयनित 54 पात्र हितग्राहियो को आवास का आबंटन किया गया जिसमें 15 हितग्राहियों के द्वारा पूर्ण राशि जमा कराकर कब्जा प्रदान किया गया। मकान पूर्ण रूप से बन कर तैयार हो जाने के पश्चात आज 15 हितग्राहियों को मकान का भौतिक अधिपत्य प्रदान किया गया। नियमानुसार 2 विकलांग एवं 1 वरिष्ठ हितग्राही को भूतल का मकान सौंपा गया। वरिष्ठ महिला रूखमणी देवांगन अपना सपनो का मकान क्रं. 1/4 भूतल में प्रवेश करते हुए कहा कि मेरी वर्षो की इच्छा पुरी हुई। बरसात के मौसम में मुझे परिवार सहित रहने के लिए नीचे का घर मिला, मेरे परिवार को भी छत मिल गया। अब मैं कह सकती हूँ मेरे धर में रसोई, शौचालय, नहानी खोली एवं रहने का कमरा भी है। मै और मेरे बच्चे बहुत खुश है। मकान मिलते ही हितग्राही अपना सामान लेकर सिफ्ट होने लगे। दिव्यांग धनंजय को भूतल का मकान प्राप्त करते हुए खुसी व्यक्त की मैं नीचे का मकान चाहता था और नीचे का ही मकान मिल गया। उन्होने निगम प्रशासन को धन्यवाद दिया। कार्यवाही के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के सहायक नोडल अधिकारी बी.के.वर्मा, सहायक अभियंता अजय गौर, प्रभारी अधिकारी विद्याधर देवांगन, सूडा से अभियंता उत्पल शर्मा, आदित्य सिंह उपस्थित रहें।

पाटन नगर के वार्डा में जनसमस्या निवारण शिविर वार्ड आयोजन, स्मार्ट कार्ड का भी वितरण हितग्राहियों को किया

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन के वार्ड क्रमांक 1,2,3,4 में जन समस्या निवारण शिविर लगाया गया। जिसमें स्मार्ट कार्ड वितरण, राशनकार्ड, आधार कार्ड जैसे अनेक कार्य लेकर पहुंचे हितग्राहियों के समस्या का निराकरण किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत के नेता प्रतिपक्ष योगेश निक्की भाले ,वार्ड क्र02 के पार्षद मोहन देवांगन , सागर सोनी , नगर पंचायत के अधिकारी कर्मचारी एवं स्वास्थ्य विभाग सहित सभी उपस्थित रहे।

सोनासिल्ली : सशक्तिकरण और प्रगति की कहानी

पीवीजीटी समुदाय की महिलाएं बांस के ताने बाने से गढ़ रही है विकास

महासमुंद (समय दर्शन)। पिथौरा ब्लॉक में स्थित सोनासिल्ली ग्राम पंचायत, प्रगति और सशक्तिकरण का एक प्रतीक बनकर उभरा है। पिथौरा से 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित, यह गाँव अब एक उल्लेखनीय यात्रा पर है जिसने इसे समृद्धि की ओर अग्रसर किया है।

इस परिवर्तन के केंद्र में विशेष पिछड़ी जाति, कमार पीवीटीजी समुदाय है, जो सोनासिल्ली में निवास करते है। उनकी आजीविका बांस की कारीगरी और पारंपरिक खेती पर निर्भर थी, जिससे वे आर्थिक चुनौतियों का सामना करते हुए भी अपना गुजारा करते थे।

बिहान योजना के तहत, जो हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान के उद्देश्य से एक विशेष पहल है, ग्राम सोनासिल्ली में तकेश्वरी कमार और सचिव गीता कमार के नेतृत्व में विकास और सशक्तिकरण का एक नया अध्याय शुरू हुआ। सोनासिल्ली में कमार महिला स्व सहायता समूह का गठन किया गया। इस समूह ने 15,000 रुपये के अनुदान के साथ आत्मनिर्भरता की यात्रा शुरू की। अपने कौशल और संसाधनों का उपयोग करते हुए, उन्होंने बांस की कारीगरी में हाथ आजमाया और साधारण सामग्रियों को बेहतरीन कृतियों में बदल दिया।

इस पहल का प्रभाव तत्काल और परिवर्तनकारी था। सम्मिलित प्रयासों और दृढ़ निश्चय के माध्यम से, समूह ने न केवल गरीबी पर विजय प्राप्त की, बल्कि उन्नति भी की। उनकी कृतियों ने ग्राम संगठन की बैठकों, क्लस्टर सभाओं और स्थानीय बाजारों में अपनी जगह बनाई। यह साधारण पहल जल्द ही एक सफलता की कहानी बन गई, जिसने समुदाय में एक नए आशा का संचार किया। आज, सोनासिल्ली सामूहिक संगठन की शक्ति और सबसे हाशिए पर पड़े समुदायों के भीतर भी बदलाव की क्षमता का प्रमाण है। यह गांव अब सशक्तिकरण का प्रतीक बन गया है, जहाँ नवाचार और सामुदायिक भावना मिलकर एक उज्जवल भविष्य की दिशा में अग्रसर हैं।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 12 जुलाई को पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन

महिला एवं बाल विकास विभाग का अभिनव पहल

दुर्ग (समय दर्शन)। ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान अंतर्गत दुर्ग जिले के प्रत्येक आांगनबाड़ी केन्द्रों में पोषणवाटिका के साथ ही समुदाय की महिलाओं एवं बच्चो में पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता लाने 12 जुलाई 2024 को ''जल शक्ति से नारी शक्ति'' अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अभियान में ग्राम की महिला समूहों, महिला मंडल, ग्राम स्तर की महतारी वंदन योजना से लाभांवित सभी महिलाओं को एकत्र कर पानी की महत्ता जैसे-स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, पानी का संचयन, रेनवाटर हार्वेस्टिंग तथा खराब पानी का अन्य उपयोग इत्यादि विषय पर जानकारी देकर प्रत्येक घरों में पानी के संचयन के लिए उपयुक्त व्यवहार परिवर्तन की कार्यवाही करेंगे व वृक्षारोपण कार्यक्रम कराया जाएगा। ''बेटी बचाव-बेटी पढ़ाओं'' योजना के तहत् व्यवहार परिवर्तन के लिए जन-समुदाय को शामिल किया जाएगा। प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र में 12 जुलाई 2024 को पांच फलदार वृक्ष का रोपण किया जाएगा। पौधा जिला प्रशासन के माध्यम से हार्टिकल्चर की नर्सरी अथवा वन विभाग, ग्राम पंचायत से संपर्क कर निःशुल्क प्राप्त होगा।

कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास द्वारा ''एक पेड़ मॉ के नाम'' से साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं/सहायिकाओं/कुपोषित बच्चों, गर्भवती/शिशुवती माताओं के घरों में फलदार पौधो के रोपण का अभियान के तहत् किया जाएगा। ''बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं'' योजना के तहत् बेटियों के नाम से भी वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। जिले भर में ''बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं'' योजना के तहत् वृक्षारोपण कर रही सेल्फी विथ बिटिया रानी कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा होना है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री अजय शर्मा ने बताया कि जिले के सभी पालको से इस अभियान में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने की अपील की गई है। वृक्षारोपण की सेल्फी 12 जुलाई 2024 को शाम 5 बजे तक कचवकनतह/हउंपसण्बवउ पर प्रेषित किये जा सकते है। वृक्षारोपण पर उत्कृष्ट 05 फोटोग्राफ्स को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पुरूस्कृत किया जाएगा।

पटवारियों की वर्षो की मांगे आज पर्यंत लंबित

बालोद। ज्ञात हो पटवारियों द्वारा दिसंबर 2020 में हड़ताल किया गया था, उसके बाद मई 2023 में भी हड़ताल किया गया , जो मांगे 2020 में थी वही मांगे 2023 में भी रखी गई थी। आश्वासन के अलावा अब तक पटवारियों को कुछ नहीं मिला। स्टेशनरी भत्ता, संसाधन भत्ता का तत्कालीन सरकार द्वारा घोषणा भी किया गया किंतु वह मात्र घोषणा ही रह गया, आज पर्यंत 500 रुपये संसाधन भत्ता भी नहीं दिया जा सका। कंप्यूटर इंटरनेट प्रिंटर आदि की मांग 2015 से जब से अभिलेख ऑनलाइन किया गया है तब से किया जा रहा है किंतु आज पर्यंत संसाधन नही दिया जा सका। प्रदेश में पटवारियों का मुख्यालय निर्धारित है लेकिन मुख्यालय में आवश्यक सुविधा जैसे कार्यालय टेबल कुर्सी अलमीरा आदि नही दिया जा सका। मुख्यालय में सुविधाओं का अभाव साथ ही पटवारियों के परिवार के लिए अच्छी पढ़ाई आदि व्यवस्था की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पटवारियों द्वारा मुख्यालय निवास की बाध्यता खत्म करने की मांग किया गया था, क्योकि यह नियम तब बनाया गया था जब सड़को का आवागमन का पर्याप्त व्यवस्था नही थी, आज पर्याप्त व्यवस्था हो चुकी हैं, मिनटों में मुख्यालय में उपस्थित हो सकते हैं, फिर भी इस मांग को खारिज कर दिया गया था। बिना विभागीय जांच के एफ आई आर दर्ज न किया जाए इस मांग में एक विभागीय पत्र जरूर जारी हुआ था किंतु आज भी सिर्फ शिकायत के आधार पर ही बिना विभागीय जांच के एफआई आर दर्ज किया जा रहा है। राजस्व निरीक्षक पद पर सीधी भर्ती बन्द करते हुए वरिष्ठता के आधार पर 50 प्रतिशत और विभागीय परीक्षा के आधार पर 50 प्रतिशत पदोन्नति की मांग किया गया था किंतु आज तक मांगो को दरकिनार करते हुए वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति नही दिया जा सका।

ये सभी मांगे वर्षो की पुरानी मांगे हैं।इसके साथ ही नित प्रतिदिन भुइयां सॉफ्टवेयर में हो रहे तकनीकी समस्यायों और बदलाव से पटवारी परेशान हैं। सॉफ्टवेयर में कभी नाम गायब अथवा दूसरे का नाम आ जाना, कभी रकबा बदल जाना ,बैंकिंग कार्य या अन्य कारणों से डिजिटल सिग्नेचर हट जाना, पिता के जगह पति हो जाना इस प्रकार की बहुत सारी समस्याएं हैं जिसे समय समय पर अवगत कराया जाता रहा है लेकिन आज तक इसमे सुधार नहीं किया गया। इन त्रुटियों के कारण किसानों अथवा भूमिस्वामियो का कोप का भाजन पटवारी हो रहे हैं, अनावश्यक शिकायत बढ़ रही है।अधिकारी भी इन समस्याओं को समझने की बजाय सीधे पटवारियों को दोषी मानते हुए कार्यवाही कर रहे हैं। इन समस्याओं और मांगो को देखते हुए राजस्व पटवारी संघ ने अनिश्चितकालीन हड़ताल की शुरुआत की है।

घटिया सड़क निर्माण को देखकर भड़की विधायक चातुरी नंद

इंजीनियर को लगाई फटकार

शंकर लहरे/ सरायपाली(समय दर्शन)। क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद घटिया सड़क निर्माण को देखकर भड़क गई और विभागीय इंजिनियर को जमकर फटकार लगाते हुए तत्काल गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। विधायक नंद ग्राम बिरकोल के ग्रामीणों की शिकायत पर बिरकोल से मांजरमाटी सड़क निर्माण का निरीक्षण करने पहुंची थी, जहां सड़क निर्माण में घोर लापरवाही बरतते हुए बेहद घटिया स्तर का सड़क निर्माण कराया जा रहा है।

विधायक नंद ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना के तहत लगभग 1 करोड़ रूपए की लागत से बिरकोल-मांजरमाटी सड़क निर्माण कराया जा रहा है। सड़क निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी करते हुए निर्माण किया जा रहा है जिससे सड़कें बनने से पहले ही उखड़ने लगी है। उन्होंने बताया कि पुलिया निर्माण में भी भारी अनियमतता बरती जा रही है जिससे सड़क सालभर भी नहीं टिक पाएगी।

विधायक चातुरी नंद ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि विभागीय अधिकारियों और ठेकेदार की लापरवाही से बेहद ही घटिया निर्माण पूरे क्षेत्र में किया जा रहा है।

सड़क निरीक्षण के दौरान बिरकोल के वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता नीलांबर सोनी, घनश्याम पटेल,जगदीश पटेल, युवा कांग्रेस अध्यक्ष सरायपाली शहर अध्यक्ष भरत पटेल, एनएसयूआई प्रदेश सह संयोजक जयंत यादव, करण पटेल, नीलांबर पटेल, कमल बरीहा, तेजराम बरीहा, माधव साव, मोनू श्रीवास समेत ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

एएम/एनएस इंडिया ने पालनार ग्राम पंचायत में किया नि: शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

एएम/एनएस इंडिया द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 115 मरीज हुए लाभान्वित

एम/एनएस इंडिया कर रही जन स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के प्रयास

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। मंगलवार को एएम/एनएस इंडिया कम्पनी द्वारा दंतेवाड़ा के पालनार ग्राम पंचायत में नि: शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों एवं स्कूली बच्चों की नि: शुल्क पैथोलॉजिकल जांच, मलेरिया जांच, बीपी, शुगर जांच कर दवाइयों का वितरण किया गया। एएम/एनएस इंडिया कम्पनी द्वारा आयोजित नि: शुल्क स्वास्थ्य शिविर के अंतर्गत लगभग 115 मरीजों को लाभान्वित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान जिला चिकित्सालय के कर्मचारी, एएम/एनएस इंडिया दंतेवाड़ा सीएसआर प्रमुख तेजप्रकाश जी एवं टीम सहित पालनार ग्राम पंचायत के ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

एएम/एनएस इंडिया कम्पनी द्वारा लगातार ग्रामीण? एवं आदिवासी क्षेत्रों में सामाजिक कल्याण एवं विकास, शिक्षा, रोजगार, स्पोर्ट्स, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं जैसे क्षेत्रों में सुधार के प्रयास किए जा रहें हैं।पालनार में आयोजित नि: शुल्क स्वास्थ्य शिविर भी इन्हीं प्रयासों का मुख्य हिस्सा है,जिसका मुख्य उद्देश्य दंतेवाड़ा के ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में निवासरत लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करना एवं स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बढ़ावा देना है। जिससे ग्रामीणों के जीवनस्तर में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।

वर्षो से मांग कर रहे पंचायत सचिवों को जल्द मिलेगा उनका हक, साय सरकार ने ली पंचायत सचिवों की सुध

मोदी की गारंटी के सारे वादों को पूरा करना हमारा कर्त्तव्य- साय, सीएम हुए पंचायत सचिव संघ के सम्मान समारोह में शामिल

भानू प्रताप साहू

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रविवार को राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में पंचायत सचिव दिवस के अवसर पर प्रदेश पंचायत सचिव संघ छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में शिरकत की और उत्कृष्ट कार्य करने वाले सचिवों का सम्मान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम विकास में सचिव की भूमिका महती होती है क्योंकि एक ग्राम पंचायत का सबसे बड़ा अधिकारी सचिव ही होता है। इसलिए सभी पंचायत सचिव अपने कर्त्तव्यों का शुद्ध अंत:करण से पालन करते हुए ग्रामीण विकास में सहभागी बने। आगे मुख्यमंत्री साय नक कहा कि सरकार पंचायत सचिवों के हितों का पूरा ध्यान रखती है। सरकार बनते ही पंचायत सचिवों की अपेक्षाओं को पूरा किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश पंचायत सचिव संघ द्वारा शासकीयकरण की मांग को पूरा किया जाएगा। इसके क्रियान्वयन के लिए कमेटी का गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री की घोषणा पर संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का आभार गजमाला से किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वयं भी 5 साल पंच और निर्विरोध सरपंच रहकर जनता की सेवा की है। उन्होंने बताया कि देश का विकास पंचायतों में निहित है और केंद्र या राज्य सरकार की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पंचायतों के माध्यम से ही होता है। सरपंच और सचिव के हाथों में ग्राम के विकास की चाबी होती है। मुख्यमंत्री ने पंचायत त सचिवों से अच्छा कार्य करने का संकल्प लेने कहा।

साय सरकार ने मोदी की गारंटी को किया पूरा - उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सरकार बनते ही मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने किया है। साय सरकार ने मोदी की गारंटी को पूरा किया। सरकार बनते ही पंचायत सचिवों के एरियर्स की राशि का भुगतान किया गया और हड़ताल अवधि के 55 दिनों की राशि का भी भुगतान किया गया। कार्यक्रम में महिला व बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, दुर्ग सांसद विजय बघेल व पंचायत सचिव संघ के अध्यक्ष उपेंद्र सिंह पैंकरा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

सचिवों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि सभी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सचिवों के माध्यम से ही होता है। उन्होंने सचिवों की प्रशंसा करते हुए उनसे और भी अच्छा कार्य करने का संकल्प लेने की अपील की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और छोटी सी अवधि में ही मुख्यमंत्री द्वारा अनेक घोषणाओं को पूरा करने के लिए उनकी सराहना की।

सार समाचार

घर के बाहर खड़ी बुलेट बाइक पार

रायपुर(समय दर्शन)। सरकारी स्कूल के सामने टाटीबंध में घर के बाहर खड़ी बुलेट बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी वासुदेव गुप्ता 24 वर्ष सरकारी स्कूल के पास टाटीबंध का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी बुलेट बाइक क्रमांक सीजी 04 एनक्यू 0894 को घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 50 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सिक्ख युवक का अपमान करने वाले सिपाहियों ने गुरुद्वारे में मत्था टेका और मांगी माफी

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी के टिकरापारा थाना क्षेत्र में अंतर राज्यीय बस स्टैंड पर 8 जून को चार सिपाहियों द्वारा सिक्ख युवक की पगड़ी गिराने और बाल खींचने के मामले में सिपाहियों ने गुरुद्वारे में माफी मांगी। घटना के पीड़ित महिंद्रा ट्रेवल्स के ड्राइवर बहादुर सिंह ने सिख समाज को लिखित में घटना की जानकारी दी और सहयोग की अपील की थी। घटना के सीसीटीवी फुटेज में टिकरापारा थाने के सिपाही चंद्रभान सिंह भदोरिया, सुरेंद्र सिंह सेंगर, रविंद्र सिंह राजपूत, और दानेश्वर साहू द्वारा बहादुर सिंह के साथ धार्मिक अपमान किए जाने की पुष्टि हुई। सिख समाज ने इसकी निंदा करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और गृह मंत्री को ज्ञापन सौंपा और चारों सिपाहियों पर धारा 295 ए के तहत कार्रवाई की मांग की। गृह मंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने दो सिपाहियों को सस्पेंड कर दिया था, पर सिख समाज इससे संतुष्ट नहीं था। सस्पेंड होने और समाज के आक्रोश को ध्यान में रखते हुए, सिपाहियों ने गुरुद्वारा धन धन बाबा बुड्ढा साहिब तेलीबांधा पहुंचकर गुरु ग्रंथ साहिब के सामने मत्था टेक कर अपनी गलती स्वीकार की और सिख समाज से माफी मांगी। बैठक में सरदार दिलेर सिंह रंधावा ने सिख इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सिख कौम में पगड़ी और बालों का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि धर्म की रक्षा के लिए हमारे गुरुओं ने अपने प्राणों की बलिदान दिया पर धर्म पर आंच नहीं आने दी। सिख समाज ने सिपाहियों की माफी स्वीकार की लेकिन उन्हें 7 दिनों तक गुरुद्वारों में बर्तन साफ करने और संगत के जूतों की सेवा करने की सजा दी। गुरुद्वारा स्टेशन रोड के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह छाबड़ा ने सिपाहियों को भविष्य में किसी भी सिख का धार्मिक अपमान न करने की चेतावनी दी।

वन मंत्री राजधानी में आयोजित जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में हुए शामिल

बच्चों में शिक्षा ग्रहण करने की अपार शक्ति, लगन और ईमानदारी से करें मां-बाप के सपनों को साकार - मंत्री केदार कश्यप

रायपुर(समय दर्शन)। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप आज रायपुरा स्थित पंडित गिरिजा शंकर मिश्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने नौनिहालों को तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर शाला प्रवेश कराया। उन्होंने इस मौके पर बच्चों को शाला गणवेश तथा पाठ्यसामग्री वितरण भी किया। उन्होंने छात्राओं को सरस्वती सायकल योजना के तहत सायकल प्रदान किया। मंत्री श्री कश्यप ने इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए नवाचार मॉडल प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। मंत्री श्री कश्यप ने शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों में अपार क्षमता है। शासकीय स्कूल के बच्चे कठिन पस्थितियों के बाद भी बेहतर

परिणाम ला रहे हैं। यह हम सबके लिए यह खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि बच्चे लगन और ईमानदारी से शिक्षकों के आदर्श में चलकर शिक्षा ग्रहण कर अपने मां-बाप के सपनों को साकार करें, बच्चों को हताश-निराश होने की जरूरत नहीं है। समय को ध्यान रखते हुए खेलने के समय खेले-कुदे और पढ़ाई के समय पढ़ाई करें। गरीब, किसानों के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा हमारी सरकार की प्राथमिकता में है। भविष्य निर्माता आज के नौनिहालों की शिक्षा-दिक्षा में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए सरकार तत्पर है। हमारी सरकार ने प्रदेश में आईआईटी, आईआईएम जैसी बड़ी-बड़ी संस्थानें स्थापित की है। उच्च शिक्षा के लिए भी बाहर जाने की जरूरत नहीं है। अतिथियों ने इस मौके पर ''मां के नाम एक पेड़'' अभियान के तहत स्कूल परिसर में पौधा रोपण किया। विधायक श्री मोती लाल साहू ने कहा कि सरकारी स्कूल के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आज प्राईवेट स्कूल से बेहतर परीक्षा परिणाम शासकीय स्कूलों में आ रहा है। शासकीय स्कूलों में प्रवेश के लिए काफी भीड़ लगी है, इससे शासकीय स्कूलों का महत्व और गुणवत्ता अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कम सुविधाओं और चुनौती पूर्ण परिस्थितियों में भी बेहतर परिणाम सराहनीय है। बच्चों को भी लगन और ईमानदारी से शिक्षा ग्रहण करना चाहिए। विधायक श्री अनुज शर्मा ने कहा कि नन्हें-नन्हें बच्चों को जीवन के नए पड़ाव में प्रवेश कराने आए हैं। उनका हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत है। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थान में पढ़े-लिखे ज्यादा संस्कारी होते हैं। आज के मंच में मंत्री, विधायक, कलेक्टर सहित जितने भी लोग है सभी सरकारी स्कूलों में पढ़कर आप लोगों के बीच उपस्थित हैं।

स्कूल में घूसकर स्कूल स्टॉफको गाली देने वाले कांग्रेस नेता गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी के कृष्णा किड्स स्कूल प्रबंधन ने इन नेताओं पर स्कूल के अंदर जबरदस्ती घुसकर संस्था के खिलाफ नारेबाजी और स्टाफ को गाली देने का आरोप में छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रवक्ता विकास तिवारी एनएसयूआई के प्रभारी महामंत्री हेमंत पाल और प्रदेश सचिव कुणाल दुबे तीनों को एक दिन की रिमांड पर जेल भेजा गया है। बता दें कि स्कूल प्रबंधन ने 8 जून को न्यू राजेंद्र नगर थाने में एफ्आईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने इन नेताओं की गिरफ्तारी के लिए टीम भेजी थी। इसके बाद हेमंत और कुणाल थाने पहुंचे और लगभग दोपहर एक बजे अपनी गिरफ्तारी दी। विकास तिवारी ने रायपुर की अदालत में सरेंडर किया था। बुधवार को इस मामले में जमानत को लेकर सुनवाई होगी। तब तक तीनों कांग्रेस नेता जेल में रहेंगे। बता दें कि 8 जून को करीबन 12.00 बजे कृष्णा किड्स एकेडमी के संस्था में कुणाल दुबे आकर फोन पर किसी से चर्चा करने पर थोड़ी देर में एनएसयूआई कार्यकर्ता विकास तिवारी, तथा परिसर में मौजूद कुणाल दुबे, हेमंत पाल एवं अन्य लोगो के द्वारा संस्था कृष्णा किड्स एकेडमी के अंदर जबरदस्ती प्रवेश कर शिक्षा विभाग एवं संस्था के खिलाफ नारे बाजी कर वहां के सभी महिला एवं पुलिस स्टाफ के साथ गाली गलौज की थी जिसकी शिकायत कृष्णा किड्स एकेडमी के एडमिनिस्ट्रेटर संजय त्रिपाठी ने थाना न्यू राजेन्द्र नगर में की थी। जिसपर आरोपियों के खिलाफ धारा 452,294,34 भादवि अपराध पंजीबद्ध किया गया था। मामले की विवेचना दौरान साक्ष्य सबुत पाये जाने से आरोपीगणों का पिछले 02 दिनों से तलाश की जा रही थी। तथा आरोपीगणों को मंगलवार 9 जुलाई को थाना लाकर पूछताछ करने पर दिनांक घटना समय को अपराध कारित करना स्वीकार करने पर मामला दर्ज होने के बाद हेमंत और कुणाल थाने पहुंचे और लगभग दोपहर एक बजे अपनी गिरफ्तारी दी। वहीं विकास तिवारी ने रायपुर की अदालत में सरेंडर किया था। ज्ञात हो कि पिछले कुछ दिनों से एनएसयूआई के कार्यकर्ता गैर मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रवक्ता विकास तिवारी ने आरोप लगाया है कि शहर में कृष्णा किड्स एकेडमी की ओर से सुन्दर नगर, राजेन्द्र नगर और शैलेन्द्र नगर में जो स्कूल चलाई जा रही है। उनकी मान्यता नहीं है। वहीं, स्कूलों में फीस नियामक और आरटीई अधिकार अधिनियम का भी पालन नहीं हो रहा है।

बांकीमोंगरा के विकास में फंड की नहीं होगी कमी- कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन

रायपुर(समय दर्शन)। /बांकीमोंगरा नगर पालिका परिषद के संचालन समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष समेत सभी सदस्यों के पदभार ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन शामिल हुए। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि अब बांकीमोंगरा नगर पालिका में विकास का नया सूर्योदय होने जा रहा है। बांकीमोंगरा की जनता बहुत भाग्यशाली है कि उनको पहला अध्यक्ष शैल राठौर नारी शक्ति के रूप में कर्ता मिला है। बांकीमोंगरा की जनता लंबे समय से विकास नहीं होने का मलाल झेल रही थी। अब बांकीमोंगरा की जनता को

विकास के लिए सोचना नहीं पड़ेगा। प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। केंद्र और राज्य दोनों से नगर पालिका के विकास कार्यों के लिए राशि मिलेगी। विष्णुदेव सरकार में निकाय को न तो सेटअप की न ही फंड की कमी नहीं होगी। इस अवसर पर कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, जिला अध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, संचालन समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष शैल राठौर, उपाध्यक्ष कमला बरेठ, सदस्य प्रभावती चौहान, सतीश झा, लखपत शर्मा, अश्विनी मिश्रा, संतोष राठौर, मेलू पटेल, ज्योतिदास महंत पूर्व महापौर जोगेश लांबा, प्रफुल्ल तिवारी, पार्षद नरेंद्र देवांगन, नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल, भागवत विश्वकर्मा सहित जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विशेष पिछड़ी जनजाति की कमार महिलाएं गढ़ रही है विकास की गाथा

रायपुर(समय दर्शन)। कमार जनजाति मुख्य रूप से गरियाबंद जिले के छुरा, और धमतरी जिले के नगरी और मगरलोड विकासखण्डों में पाई जाती है। भारत सरकार द्वारा इन्हें विशेष पिछड़ी जनजाति का दर्जा दिया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सरकार में विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को आर्थिक, समाजिक, शैक्षणिक उत्थान के लिए विशेष कार्य किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कमार परिवारों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है। विशेष पिछड़ी कमार जनजाति की महिलाओं की आजीविका का मुख्य साधन बांस की कारीगरी और पारंपरिक खेती करना है। महासमुन्द जिले के

पिथौरा ब्लॉक से 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित, गाँव सोनासिल्ली अब समृद्धि की ओर अग्रसर हो रहा है। बिहान योजना के तहत, ग्राम सोनासिल्ली में तकेश्वरी कमार और सचिव गीता कमार के नेतृत्व में महिला विकास और सशक्तिकरण का एक नया अध्याय शुरू हुआ। कमार महिलाओं ने स्व सहायता समूह का गठन किया गया। इस समूह ने 15,000 रुपये के अनुदान के साथ आत्मनिर्भरता की नई शुरूआत की है। अपने कौशल और संसाधनों का उपयोग करते हुए, उन्होंने बांस की कारीगरी में हाथ आजमाया और आज बांस से सुन्दर सजावटी सामग्री बनाकर दुकानों में भी विक्रय कर रही है।

असम में बाढ़ पीड़ितों से मिलने पहुंचे विकास उपाध्याय

रायपुर(समय दर्शन)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव, पूर्व विधायक व असम प्रभारी विकास उपाध्याय ने असम में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। बाढ़ पीड़ितों से मिलने विकास उपाध्याय डिबरूगढ़ के गुमटाल गाँव, टिकियाबाली पहुंचे। उन्होंने कहा कि असम में आई बाढ़ से जनता का जीवन बेहाल हो गया है। केन्द्र और राज्य की भाजपा सरकार से जो राहत मिलनी चाहिए वो उन्हें नहीं मिल पा रही है। वहाँ की स्थिति को दर्शाते हुये विकास उपाध्याय ने कहा कि वहाँ पर बाढ़ आने से सड़क तहस-नहस हो चुकी है, जिससे लोगों को आने-जाने में बहुत परेशानी उठानी पड़ रही है। लोगों के जान-माल की भी बहुत हानि हुई है और बाढ़ से अभी भी खतरा बना हुआ है। फिर भी वहाँ भाजपा सरकार राहत के नाम पर केवल खाना पूर्ति कर रही है। जबकि पूर्व में कांग्रेस की सरकार थी तब नदियों का पानी बाँध की वजह से गाँवों में नहीं घुसता था, लेकिन अभी नदियों का पूरा पानी गाँवों में आ जाने से बाढ़ के कारण इतनी हानि हुई है और लोग बेस कैंप में रहने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार बाढ़ पीड़ितों की सेवा में लगी हुई है और हर संभव मदद कर रही है। राशन तथा चिकित्सा जैसी तमाम सुविधाएँ भी उपलब्ध करा रही हैं। विकास उपाध्याय ने बताया कि लगातार तीन दिन बाढ़ पीड़ित क्षेत्र में जाकर दौरा करेंगे और इसकी संपूर्ण जानकारी कांग्रेस के लीडरशीप को दी जाएगी। दौरे में असम प्रदेश के पूर्व विधायक, प्रदेश पदाधिकारी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य, ब्लॉक के पदाधिकारी एवं कांग्रेस के कार्यकर्ता वहाँ मौजूद रहेंगे।

रायबरेली के चुरुवा हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को एक पुजारी तिलक लगाते हुए।

मूलभूत सुविधाओं से वंचित है ऐश्वर्या रेसिडेंशियल कालोनी की लोग

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की राजधानी में एक क्षेत्र के रहवासियों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं. रायपुर के विधानसभा रोड के करीब ऐश्वर्या वीडमील रिसिंडेसी सोसाइटी में करीब 250 लोग रहते हैं, जिन्हें खराब सड़कें, बारिश से जलभराव, बंद स्ट्रीट लाइट और आसामाजिक तत्व युवाओं के द्वारा लूटपाट होने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते रहवासियों ने नगर निगम चुनाव बहिष्कार करने का फैसला किया है.बता दें, स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार जोन-9 कमिश्नर संतोष पांडे और पार्षद गोपेश साहू को शिकायत कर चुके है. लेकिन अब तक सड़क का निर्माण नहीं हुआ है. आने वाले समय में बारिश के चलते जलभराव होगा तो घरों में पानी घुसेगा. इसलिए हमने चुनाव बहिष्कार करने का फैसला लिया है. सोसाइटी के सदस्य निलेश गोयल ने बताया की सोसायटी की गंभीर समस्याओं को लेकर जोन कमिश्नर को शिकायत की है. लेकिन अब तक इसे सही नहीं किया गया है. उन्होंने बताया कि हमारे क्षेत्र में गड्ढों और टूटी-फूटी सड़कों के कारण यहां से गुजरना बहुत कठिन हो गया है. बरसात के मौसम में यह समस्या और भी बढ़ जाती है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है. दूसरा पिछले कुछ समय से यहां कई स्ट्रीट लाइट्स खराब हैं. रात के समय अंधेरा होने के कारण लोगों को आने-जाने में बहुत कठिनाई होती है. और असामाजिक गतिविधियों का भी डर रहता है. तीसरा सीवेज के ब्लॉक होने से गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है. यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है. और दुर्गंध के कारण रहवासियों का जीना मुश्किल हो गया है.

जिला स्तरीय जन-समस्या निवारण शिविर में 269 आवेदनों का त्वरित निराकरण

विधायक श्री गुरू खुशवंत एवं कलेक्टर डॉ गौरव सिंह हुए शामिल

हितग्राहियों को मछली पकडऩे जाल एवं मिला आईस क्यूब बॉक्स

दयाराम और मनोज कोशले को पुत्र का जन्म प्रमाण-पत्र तुरंत हुआ प्राप्त

रायपुर(समय दर्शन)। रायपुर के आरंग विकासखण्ड के ग्राम फरफौद में जिला स्तरीय जन-समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों को 269 आवेदन त्वरित निराकृत किए गए। शिविर में विधायक श्री गुरू खुशवंत, कलेक्टर डॉ गौरव सिंह एवं एसएसपी श्री संतोष सिंह शामिल हुए। शिविर में सुबह से ही आम नागरिकों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हुआ और नागरिकों ने शिविर के स्टॉल में पहुंच कर अपनी समस्याओं को दर्ज कराई। शिविर में राशन कार्ड बनवाने व नवीनीकरण, भूमि सुधार, पशु शेड निर्माण, श्रम कार्ड, जाति प्रमाण पत्र और आयुष्मान कार्ड व बिजली

आदि संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने गंभीरता के साथ हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ दिलाया। शिविर के दौरान राजस्व विभाग में जन्म प्रमाण-पत्र का आवेदन आवेदकों के द्वारा किया गया। इसमें श्री दयाराम धीवर और श्री मनोज कोशले को उनके पुत्र का जन्म होने के बाद शिविर में आज आवेदन दिया गया। जिसके तुरंत बाद उन्हें प्रमाण-पत्र हाथों में प्राप्त हो गया। आवेदन का त्वरित निराकरण से हितग्राही प्रसन्न हुए और प्रशासन का धन्यवाद दिया। शिविर में विधायक श्री गुरू खुशवंत व कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने फरफौद के श्री विनोद कुमार धीवर, श्री ऋषिकेश धीवर एवं श्री नीलराम धीवर को आईस क्यूब बॉक्स वितरण किया। साथ ही अकोलीकला के श्री फिरोज कोशले, श्री शेषनारायण, श्री रेखलाल और फरफौद के गोपाल धीवर व ताड़ेगांव के बलराम निषाद को मछली पकडऩे के जाल का वितरण किया। शिविर में विभिन्न विभागों को 368 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से 269 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया। अन्य आवेदनों पर प्रक्रिया के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिसका निराकरण जल्द ही किया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप, सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन ने अधेड़ महिला को रौंदा

रायपुर(समय दर्शन)। सिलतरा स्थित महालक्ष्मी इंडस्ट्रीज उद्योग के पास अज्ञात वाहन ने अधेड़ महिला को रौंद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में धरसींवा पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतिका प्रेमवती कश्यप 54 वर्ष सिलतरा की रहने वाली थी। बताया जाता है कि कल सुबह वह पैदल कहीं जा रही थी। तभी सिलतरा स्थित महालक्ष्मी इंडस्ट्रीज उद्योग के पास अज्ञात वाहन ने उसे अपने चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

संपादकीय

राहुल को युद्ध और हिंसा की सचाई समझना होगा

देशवासियों को बेसब्री से इंतजार था और दिलचस्पी भी थी कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान नेता प्रतिपक्ष के रूप में पहली बार राहुल गांधी सदन में कौन-सा नया विचार रखेंगे। कौन-कौन से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दे हैं जिनसे सरकार और प्रधानमंत्री को असहज करेंगे। इतिहास ने उन्हें करोड़ों देशवासियों का दिल जीतने का अवसर दिया था लेकिन उन्होंने ऐतिहासिक अवसर को गंवा दिया। राहुल खुद को 'एंगरी यंगमैन' के रूप में पेश करते हुए भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कह गए कि जो लोग खुद को हिन्दू कहते हैं, वे चौबीस घंटे हिंसा, नफरत और झूठी बातें करते रहते हैं। देश के समूचे हिन्दू समाज को हिंसक बताकर बहुसंख्यक आबादी को न केवल नाराज किया, बल्कि अपमानित भी कर दिया। जब प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर हस्तक्षेप करते हुए कहा कि पूरे हिन्दू समाज को हिंसक कहना गलत है, यह गंभीर विषय है। इसके बाद राहुल को समझ में आया कि वह गलती कर बैठे हैं और अपनी गलती को सुधारते हुए उन्हें कहना पड़ा कि वह भाजपा के बारे में बोल रहे थे। भाजपा, आरएसएस या प्रधानमंत्री मोदी पूरा हिन्दू समाज नहीं हैं। सबसे दिलचस्प बात यह थी कि राहुल भगवान शिव, भगवान बुद्ध, महावीर, गुरुनानक देव की तस्वीर लेकर सदन में आए थे। उन्होंने अपनी बात रखते हुए ईसा मसीह और पैगम्बर मोहम्मद साहिब का भी जिक्र किया और कहा कि ये सभी अभय मुद्रा में हैं। यह सच है कि इन सभी महापुरुषों ने शांति और अहिंसा का संदेश दिया है और यह भी सच है कि कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं करता। लेकिन राहुल किसी भी महापुरुष के दर्शन और विचार को न परिभाषित कर पाए, न व्याख्यायित कर पाए और न सदन के जरिए देशवासियों को ही समझा पाए। पौराणिक ग्रंथों में सुर-असुर संग्राम की चर्चा है। धर्म की रक्षा के लिए शिव, कृष्ण आदि देवताओं ने भी हथियार उठाए हैं। चाहे शिवाजी हों या महाराणा प्रताप, सभी के जीवन में युद्ध करने के अवसर आए हैं। पिछले दो वर्षो से समूचे विश्व का ध्यान रूस-यूक्रेन और फिलिस्तीन-इस्त्राइल युद्ध की ओर गया है। मानवीय हिंसा और युद्ध गहरी चिंता और घृणा के विषय हैं, लेकिन यह भी सच है कि पिछले दो विश्व युद्ध भी मानव जाति को युद्ध और हिंसा की आग में जलाने से रोक नहीं पाए। राहुल गांधी को युद्ध और हिंसा की सचाई को समझना होगा। कोई भी सभ्य समाज हिंसा का समर्थन नहीं करता।

भगवान राम, अयोध्या व सनातन को कोई कभी समाप्त कर ही नहीं सकता

मृत्युंजय दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में विकसित भारत के संकल्प के साथ काम में जुट गए हैं और विपक्ष अभी भी तीसरी पराजय की हताशा में डूबा चुनावी मोड में दिख रहा है। कांग्रेस के नेतृत्व में सम्पूर्ण विपक्ष के नेता सप्ताह में दो बार सरकार गिरने की भविष्यवाणी करके सनसनी फैलाने और मीडिया की फुटेज खाने का प्रयास करते रहते हैं। वर्तमान लोकसभा में कुछ सीटें अधिक आने से कांग्रेस का दिमाग सातवें आसमान पर है। जब से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के रूप में स्थान मिला है, कांग्रेसी हर दिन मोदी सरकार अब गिरी तब गिरी के सपने देख रहे हैं।

नई सरकार के गठन के बाद पहले संसद सत्र में मोदी सरकार ने जिस कुशलता के साथ विपक्ष के प्रत्येक दांव को ध्वस्त किया उससे विपक्ष बुरी तरह तिलमिला गया है। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने पहले लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव पर सरकार को घेरने और उसमें मतदान कराकर गिराने का सपना देखा और फिर नीट पेपर लीक घोटाले पर बहस करने को लेकर अड़ गया किंतु दोनों ही जगह वह मात खाया। यानि संसद के पहले सत्र में विपक्ष ने अनावश्यक रूप से सरकार को गिराने व घेरने का प्रयास किया और विफल रहा।

संसद सत्र में कमजोर दिखने के बाद विपक्ष के तेवर और तीखे हो गये हैं वह सच्ची-झूठी बातों को लेकर सरकार आरोप लगा रहा है। सोशल मीडिया स्वयं प्रियंका गाँधी ने ऐसे वीडियो डाले जो फेक थे। वास्तविक मुद्दों से अधिक विपक्ष झूठ फैलाने में सक्रिय है। बारिश में पानी भरने के लिए भी केंद्र सरकार को कोसा जा रहा है और ब्राज़ील का वीडियो रामपथ के नाम से पोस्ट किया जा रहा है। विपक्ष को लगता है इस तरह झूठ फैलाने से मोदी सरकार की छवि प्रभावित हो जाएगी और उसको गिरना सरल होगा। राहुल गांधी सक्रियता के नाम पर आवेश दिखा रहे हैं। उन्होंने लोकसभा की 543 में से 99 सीटों पर सफलता प्राप्त की है और उनका अहंकार इतना अधिक बढ़ गया है कि वह जितनी बार मुंह खोलते हैं उतनी बार हिंदू समाज व उसकी आस्था के प्रतीकों का अपमान करते हैं फिर चाहे वो संसद के अंदर हो या बाहर। जहां जहां कोई दुर्घटना या सामाजिक समस्या है वहां वहां राहुल गांधी का काफिला अपनी राजनीति चमकाने जा रहा है। राहुल अभी तक हाथरस, मणिपुर और असम जाकर अपनी मोहब्बत की दुकान का प्रचार कर चुके हैं। समस्या कोई भी हो, स्थान कोई भी हो राहुल चर्चा केवल मोहब्बत की दुकान की ही करते हैं, इस बीच कोई पत्रकार प्रश्न पूछ ले तो उनके तेवर बदल जाते हैं और वो गुस्से में पैर पटक कर चल देते हैं।

सोनिया के समय हिन्दुओं के प्रति कांग्रेस दबी ढकी नफरत राहुल के समय खुल कर सामने आ गई है। राहुल गांधी ने संसद में अपने पहले ही भाषण में सम्पूर्ण हिंदू समाज को हिंसक कहने का दुस्साहस किया। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी ने जोर देकर इस बात को दोहराया किङ्क जो अपने को हिन्दू कहते हैं वो हिंसक होते हैं। सदन में प्रधानमंत्री जी ने इसका तत्क्षण इसका प्रतिवाद किया और बाद में अपने संबोधन में भी इस पर विस्तार से चर्चा की तो कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोग हंगामा करते रहे। राहुल गांधी ने अपमानजनक तरीके से भगवन शिव का चित्र लहराया और उनके स्वरुप की गलत विवेचना करी। सदन के बाहर विरोध होने पर कांग्रेस ने एक बार झूठ का सहारा लेकर मामले पर लीपा पोती करने का प्रयास किया ।

नेता प्रतिपक्ष के रूप में पहली बार गुजरात पहुंचे राहुल गांधी इतने अधिक उत्साह में थे कि वह वाराणसी में ही प्रधानमंत्री मोदी को निपटा देते जैसी शब्दावली का प्रयोग करने लगे। राहुल यहीं नहीं रुके, आगे बढ़ते हुए बोले गुजरात से लालकृष्ण आडवाणी ने जो मूवमेंट चलाया था उसे हमने अयोध्या में हरा दिया है। स्पष्ट है राहुल गाँधी को न तो श्री रामजन्मभूमि मुक्ति यज्ञ का इतिहास पता है, न उनमें हिन्दुओं की आस्था के प्रति सम्मान है। राहुल गांधी ने गुजरात में अपने भाषण के माध्यम से हिंदू समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि उन्होंने कांग्रेस की कुछ सीटें बढ़ाकर बड़ी गलती कर दी है। राहुल के इस बयान से कांग्रेस की वामपंथी मुस्लिम परस्त मानसिकता ही बेनकाब हुयी है।

आजकल राहुल और अखिलेश फैजाबाद के सांसद को तमगे की तरह साथ लेकर घूमते हैं, उनको अयोध्या का राजा बताते हैं और सनातन समाज का मखौल उड़ाते हैं। यदि इन दोनों को लग रहा है कि अयोध्या में भाजपा को हराकर उन्होंने हिन्दुत्व को हरा दिया है तो यह उनकी बहुत बड़ी भूल है। इनको लग रहा है कि अब लोग न तो जय श्रीराम का नारा लगाएंगे और न ही अयोध्या में श्रीराम का दर्शन करने आयेंगे लेकिन उन्हें नहीं पता कि भगवान राम भारत की आत्मा और सनातन धर्म का मूल हैं। दो लड़कों की जोड़ी को यह बात समझनी चाहिए कि भगवान राम, श्रीकृष्ण और भगवान शिव भारत की आत्मा हैं और इनका सार्वजनिक उपहास बहुत दिनों तक नहीं बनाया जा सकता। राहुल गांधी के बयानों को सुन सुनकर हिंदू समाज मन ही मन कुढ़ रहा है और अपनी गलती पर सिर धुन रहा है। वहीं संत समाज राहुल को अयोध्या में नहीं घुसने देना चाहता। राहुल गांधी और इंडी गठबंधन के नेताओं को यह बात अच्छी तरह से पता होनी चाहिए कि लोकतांत्रिक देश के चुनावों में जय-पराजय तो होती ही रहती है किंतु राष्ट्रीय आस्था कभी नहीं बदलती। हिंदू समाज ने श्री रामजन्म भूमि को विधर्मियों से मुक्त कराने के लिए 77 बार भीषण संघर्ष किया और सर्वस्व बलिदान करते हुए अंतत: विजय प्राप्त की इस विजय का उपहास कर रहे हैं ये लोग।

''अयोध्या अपराजिता है'' विधर्मी उस पर आक्रमण कर सकते हैं जीत नहीं सकते, अयोध्या यश से परिपूर्ण है, दु:खों का हरण करने वाली है और श्रीराम के तेज से प्रकाशित है, आसुरी भावनाओं द्वारा ये कभी पराजित नहीं होगी। इस अयोध्या को इक्ष्वाकुवंश के राजाओं ने अपनी राजधानी बनाया और भगवान राम ने यहीं जन्म लिया यह शाश्वत सत्य है। भगवान राम को सृष्टि पर्यंत कोई नहीं हरा सकता। सपा ने फैजाबाद लोकसभा सीट का चुनाव जीता है और उसको राहुल गांधी विपरीत दिशा में ले जाकर प्रचारित कर रहे हैं। अयोध्या की पराजय पर तंज कसने वाले नेताओं को पता होना चाहिए कि किसी भी बात की अति बुरी होती है। राहुल गांधी को भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी जी के राम मंदिर आन्दोलन को राजनैतिक समर्थन देने से आज भी इसलिए दर्द है क्योंकि लालकृष्ण आडवाणी जी की तमाम रथयात्राएं ही हैं जिनसे कांग्रेस का हिन्दू विरोधी चेहरा सामने आया और आज भी कांग्रेस लोकसभा में 100 का आंकड़ा छूने को तरस रही है।

मुस्लिम तुष्टीकरण और झूठे विमर्श पर कुछ सीटें अधिक जीतने वाले राहुल गांधी का उतावलापन कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों को भारी पड़ सकता है क्योंकि भगवान राम भारत की आस्था, आधार, विचार, विधान, चेतना, चिंतन, प्रतिष्ठा प्रताप और प्रवाह हैं। प्रभाव, नीति, नियति, नित्यता, निरंतरता के साथ राम विभु, विषद और व्यापक हैं और हर सनातनी जानता हैङ्क जाके प्रिय न राम बैदेही, तजिये ताहि कोटि बैरी सम जद्दपि परम सनेही।

सराहनीय पहल, विवाद निपटाने को मिले नायडू, रेवंत रेड्डी

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों की ओर से की गई दोनों राज्यों के बीच लंबित मुद्दों को हल करने की ताजा पहल साहसिक और सराहनीय है। इसके पीछे छिपा राजनीतिक साहस इस तथ्य से रेखांकित होता है कि अलग तेलंगाना राज्य गठित हुए दस साल हो चुके हैं लेकिन अब तक इस संबंध में कोई भी ठोस, सार्थक पहल नहीं हुई थी। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों की ओर से की गई दोनों राज्यों के बीच लंबित मुद्दों को हल करने की ताजा पहल साहसिक और सराहनीय है। इसके पीछे छिपा राजनीतिक साहस इस तथ्य से रेखांकित होता है कि अलग तेलंगाना राज्य गठित हुए दस साल हो चुके हैं लेकिन अब तक इस संबंध में कोई भी ठोस, सार्थक पहल नहीं हुई थी।

प्रतिकूल माहौल : ध्यान रहे, तेलंगाना राष्ट्र समिति की अगुआई में चले लंबे आंदोलन के बाद जून 2014 में अलग तेलंगाना राज्य गठित हुआ। उस दौरान तेलुगू देशम के एन चंद्रबाबू नायडू जैसे नेता इस मांग के खिलाफथे। स्वाभाविक रूप से इस वजह से दोनों पार्टियों और नेताओं के रिश्तों में भी कुछ दूरी आ गई थी। दूसरी बात यह कि दोनों राज्यों में जैसा राजनीतिक माहौल बना हुआ था, उसमें विवाद निपटाने के क्रम में अगर थोड़ा-बहुत भी झुकना पड़ता तो संबंधित दल और नेता पर राज्य के हितों से समझौता करने का आरोप लग जाता।

नहीं हुई बैठक : संभवत: यही वजह रही कि 2019 तक नायडू के आंध्र प्रदेश का मुख्यमंत्री बने रहते दोनों पक्षों से इस दिशा में कोई पहल नहीं हुई। 2019 में जब जगन मोहन रेड्डी आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तो तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने उनका स्वागत किया। तब दोनों राज्यों के अफसरों के बीच कुछ बैठकें हुईं, लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी। सहमति बनाने की कोशिश मुख्यमंत्रियों की बैठक में हो सकती थी, जो नहीं हुई।

पर्सनल केमिस्ट्री : ऐसे में दोनों राज्यों में नई सरकारों के मुखिया जिस तत्परता से मिले हैं, उसके पीछे एक बड़ा फैक्टर है- इन दोनों के बीच की बेहतरीन पर्सनल केमिस्ट्री। तेलंगाना के मौजूदा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी संयुक्त आंध्र प्रदेश में दो बार टीडीपी के टिकट पर विधायक रह चुके हैं। उन्हें एन चंद्रबाबू नायडू का करीबी माना जाता था। दूसरी बात यह भी है कि विवादित मुद्दों पर सहमति बनना दोनों राज्यों के हक में है। लंबित मुद्दों में कैश बैलेंस और बैंक डिपॉजिट के बंटवारे का सवाल भी है जिसके हल होने पर उन फंड्स के इस्तेमाल की राह खुलेगी जिनकी जरूरत कल्याणकारी योजनाएं आगे बढ़ाने के लिए दोनों राज्य सरकारों को है।

चुनौती कम नहीं : हालांकि इसका मतलब यह नहीं माना जाना चाहिए कि इन लंबित मुद्दों को हल करने की राह आसान रहने वाली है। कम से कम 14 मसले दोनों राज्यों के बीच लंबित हैं जिनमें दोनों राज्यों के एक-दूसरे पर बिजली बकाये का निपटारा करने से लेकर 91 संस्थानों को बांटने तक कई जटिल मुद्दे शामिल हैं। कृष्णा और गोदावरी के पानी बंटवारे जैसे कुछ मुद्दे तो केंद्र के दखल की मांग करते हैं। बहरहाल, दोनों राज्यों के नेतृत्व ने इस पहल के जरिए अपने स्तर पर अधिकतम संभव सहमति बनाने की कोशिश शुरू की है जो सकारात्मक राजनीति का एक बढ़िया उदाहरण है।

नए कानूनों के शीषर्क में ही दंड की प्रधानता

प्रमोद भार्गव

वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से आहत होकर अंग्रेजों ने स्वतंत्रता सेनानियों और उनके मददगारों को दंड देने की दृष्टि से अनेक औपनिवेशिक कानून लागू किए थे। इनमें प्रमुख रूप से अंग्रेजी राज का पर्याय बने तीन मूलभूत कानूनों में आमूलचूल परिवर्तन किए गए हैं।

1860 में बने इंडियन पेनल कोड को अब भारतीय न्याय संहिता, 1898 में बने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और 1872 में बने इंडियन एविडेंस कोड को अब भारतीय साक्ष्य संहिता के नाम से जाना जाएगा। इन कानूनों के शीषर्क में ही 'दंड' की प्रधानता है।

मसलन, इन कानूनों की चपेट में जो भी आएगा उसे दंडित होना ही पड़ेगा। दंड के मनोविज्ञान से ही निर्दोष भयभीत हो जाया करते हैं। इस भय से मुक्ति का प्रावधान करने की दृश्टि से 'न्याय' शब्द का प्रयोग कानून के शीषर्कों में किया गया है। न्याय शब्द ही इस अर्थ का प्रतीक है कि यदि आपसे भूलवश कोई अपराध हो भी गया है तो आप न्याय के भागीदार होंगे। फिरंगी हुकूमत ने कानून भारतीयों को अधिकतम दंड देने की मानसिकता से बनाए थे, जबकि कोई भी विधि सम्मत प्रक्रिया दंड की अपेक्षा न्याय के सरोकारों से जुड़ी होनी चाहिए। इसीलिए भारतीय न्याय व्यवस्था के सिलसिले में कहा जाता रहा है कि यहां न्याय नहीं निराकरण होता है। नये कानूनों के लागू होने के साथ दुनिया में सबसे अधिक आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली भारत की होगी, क्योंकि अब इनकी आत्मा में भारतीयता निहित कर दी गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पांच पण्रकिए थे, इनमें एक प्रण गुलामी की निशानियों को खत्म करना भी था। कानून संबंधी पारित विधेयक उसी परिप्रेक्ष्य में हैं। नये कानूनों के अंतर्गत दंड अपराध रोकने की भावना पैदा करने के लिए दिया जाएगा। नये कानून महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर केंद्रित हैं। अब नये कानून में नाबालिग से दुष्कर्म और मॉब लिंचिंग के लिए फांसी की सजा दी जाएगी। राजद्रोह कानून ब्रिटिश सत्ता को कायम रखने के लिए था, इसे अब खत्म किया जा रहा है। कुछ प्रचलित धाराओं की संख्या भी बदली गई है। प्रमुख रूप से अंग्रेजी राज का पर्याय बने तीन मूलभूत कानूनों में आमूलचूल परिवर्तन किए गए हैं। 1860 में बने इंडियन पेनल कोड को अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) कहा जाएगा।

164 साल पुरानी आईपीसी में 511 धाराएं थीं, जो बीएनएस-2023 में 358 रह जाएंगी। इसमें 21 नये अपराध जुड़े हैं, और 41 धाराओं में सजा बढ़ाई गई है। पहली बार छह अपराधों में सामुदायिक सेवा की सजा जोड़ी गई है। साफ है, पीड़ितों के साथ न्याय पर फोकस किया गया है। 1898 में बने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) कहा जाएगा। इसमें 47 नई धाराओं के साथ अब कुल 531 धाराएं होंगी। पहले धारा 154 में होने वाली प्राथमिकी नये कानून के तहत धारा-173 में दर्ज की जाएगी। अब पुराने कानून दंड प्रक्रिया संहिता में से 'दंड को हटाकर नागरिक सुरक्षा पर जोर दिया गया है, 1872 में बने इंडियन एविडेंस कोड को अब भारतीय साक्ष्य संहिता के नाम से जाना जाएगा। पुराने कानून में 167 धाराएं थीं, जो अब 170 रह गई हैं। इस कानून को तकनीक और फॉरेंसिक आधार पर तैयार किया गया है ताकि सजा का प्रतिशत 90 प्रतिशत तक पहुंच जाए। बढ़ते साइबर अपराधों के संदर्भ में इस कानून की अहम भूमिका जताई जा रही है। नये प्रारूप में धारा 150 के तहत आरोपी को सात साल की सजा से लेकर उम्रकैद तक की सजा दी जा सकती है। मॉब लीचिंग यानी उन्मादी भीड़ द्वारा हत्या और हिंसा के लिए अलग से सजा का प्रावधान किया गया है। इसे पंथनिरपेक्ष रखा गया है क्योंकि कभी-कभी चोर को भी भीड़ मार देती है। झारखंड और अन्य कई अशिक्षित क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बता कर समूह मार देता है। इन हत्याओं पर अब मॉब लीचिंग कानून लागू होगा। अभी तक ऐसे मामलों में हत्या की धारा 302 और दंगा या बलवा की धाराएं 147-148 के तहत कार्यवाही होती है। नाबालिग से दुष्कर्म या पहचान छिपा कर किए गए दुष्कर्म के आरोप में 20 साल का कारावास या मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है। विरोध नहीं करने के अर्थ का आशय सहमति नहीं निकाला जाएगा।

नये कानून में पहली बार आतंकवाद की इबारत को पारिभाषित किया गया है। कोई व्यक्ति देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता और सुरक्षा को संकट में डालने के इरादे से कृत्य करता है तो उसे नये कानून के हिसाब से सजा मिलेगी। देश के अस्तित्व को चुनौती देने वाले बाहरी या भीतरी असामाजिक तत्व कानूनी शिकंजे से बचने न पाएं, इसके प्रावधान किए गए हैं। यही कानूनी प्रावधान बृहत्तर सामाजिक हित राज्य को भारत की संप्रभुता, अखंडता तथा राज्य की सुरक्षा से जोड़ते हैं। भारत के विरु द्ध सांप्रदायिक कट्टरता फैलाने और सरकार के लिए नफरत के हालात बनाने में भारत विरोधी विदेशी ताकतें सोशल मीडिया का मनचाहा एवं गलत दुरु पयोग करती हैं, इसलिए नये कानून में देश तोड़ने की कोशिश करने वाली ताकतों पर अंकुश के लिए कठोर प्रावधान किए गए हैं। अतएव स्वतंत्रता के 76 साल बाद भारतीयों को वास्तव में ऐसी प्रणाली मिल गई है, जो दंड की बजाय अधिकतम न्याय पर आधारित है।

किस्म-किस्म के बाबाओं ने राष्ट्र के मुख पर कालिख पोता

प्रियंका सौरभ

पिछले कुछ दशकों से उभरने वाले किस्म-किस्म के बाबाओं ने राष्ट्र के मुख पर कालिख पोतने का काम किया है। अपनी अनुयायी स्त्रियों के शारीरिक शोषण, हत्या-अपहरण से लेकर अन्य जघन्य अपराध करने वाले बाबाओं का प्रभाव इस कदर बढ़ता जा रहा है कि आज जनता को तो छोड़िए, सदिच्छाओं वाले राजनेता, अभिनेता, अधिकारी, बुद्धिजीवी इत्यादि वर्ग भी उनसे घबराने लगा है। आखिर, इन बाबाओं के महाजाल का समाजशास्त्र क्या है? इसी तरह सवाल यह भी है कि इनके पीछे जनता के भागने का क्या अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान है?

आजकल विभिन्न सामाजिक वगरे में अलग-अलग किस्म के अंधविश्वास प्रचलित हैं। इतने जागरूकता अभियानों के बावजूद आज भी आपको गांव-कस्बों में भूत-प्रेत के किस्से सुनने को मिल जाएंगे। वहीं हायर क्लास के अंधविश्वास अलग हैं। इस क्लास में भी असुरक्षा की भावना कम नहीं है। इस वर्ग के लोग यूं तो अत्याधुनिक होने का दावा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद एयरकंडिशंड आश्रमों वाले गुरु ओं के यहां लाखों का चढ़ावा चढ़ाने से लेकर अपनी सफलता/असफलता की वजह लकी चार्म को मानने से भी गुरेज नहीं करते। ऐसी मान्यताएं भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के सभी देशों में पाई जाती हैं। सवाल उठता है कि समाज में अतार्किक विचारधारा वाले इतने अधिक लोग कहां से आ गए? जवाब है, वह परवरिश और माहौल जो हम अपने बच्चों को देते हैं। शिक्षा व्यवस्था के तहत बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उतने प्रयास नहीं हो रहे जितने होने चाहिए। संयुक्त परिवारों का टूटना और नई जीवन शैली का एकाकीपन, यांत्रिकता, तनाव आदि ऐसी स्थिति पैदा कर दी जहां हर व्यक्ति परेशान और बेचैन हो चला है। इन्हीं सामाजिक-मनोवैज्ञनिक स्थितियों के बीच लोग जाने-अनजाने ऐसे बाबाओं की ओर उन्मुख होने लगते हैं, जो लोगों को हर दुःख-तनाव से छुटकारा दिलाने का दावा करते हैं। लोगों में वहम पैदा कर फायदा उठाने की कला बाजार ने भी सीख ली है। यही वजह है कि बाजार के जन्म दिए हुए बहुत सारे त्योहार आज परंपरा के नाम पर कुछ दूसरा ही रूप ले चुके हैं। किसी त्योहार पर गहने खरीदने का प्रचलन है तो किसी पर महंगे जानवरों की कुर्बानी देने का। साधारण से रिवाज आज पूरी तरह आर्थिक रंग में रंग चुके हैं। लोग भी इन्हें मानते रहते हैं। बिना महसूस किए कि इससे नुकसान उन्हीं का हो रहा है। छोटे शहरों में आज भी पाखंडी बाबाओं और फकीरों का जाल फैला हुआ है जिनकी नेमप्लेट अक्सर इनके मल्टीटैलेंटेड होने का आभास कराती है। ये अक्सर खुद को ट्रैवल एजेंट (विदेश यात्रा करवाने का दावा), फाइनेंशियल एक्सपर्ट (फंसा हुआ धन निकलवाने का दावा), रिलेशनशिप एक्सपर्ट (प्रेम विवाह करवाने, सौतन से छुटकारा दिलाने का दावा) और मेडिकल एक्सपर्ट (एड्स, कैंसर जैसी बीमारियां ठीक करने का दावा) आदि बताते हैं। कई लोग इनके झांसे में आ भी जाते हैं, और इनका बैंक बैलेंस बढ़ाते हैं। देश में राजसत्ता-तंत्र अपने सामाजिक-आर्थिक दायित्व निभाने में अपेक्षाकृत पीछे ही रहा। दूसरी ओर, इन बाबाओं द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित कार्य किए जाने लगे। इसके साथ ही भूखों को भोजन से लेकर अन्य सामाजिक कामों में हिस्सेदारी की जाने लगी। इस क्रम में उनकी ओर से समानता का भाव स्थापित करने का काम भी किया जाने लगा। धीरे-धीरे वे लोगों के विवाद-झगड़ों का निपटारा भी करने लगे। ऐसे काम भी करने लगे जो राज सत्ता यानी शासन के हिस्से में आते थे। ऐसे कामों से उनकी लोकप्रियता बढ़ी। उनके कल्याणकारी कामों के तिलिस्म में न केवल गरीब-अभावग्रस्त और कम पढ़ी-लिखी जनता फंसी, बल्कि उनका जादू अपेक्षाकृत संपन्न और शिक्षित लोगों पर भी चला, जो जीवन की विविध जटिलताओं, सामाजिक-मानसिक समस्याओं में उलझे हुए हैं। इस तरह ये अपने अनुयायी बढ़ा कर सामाजिक वैधता हासिल करते हैं, और उसके बल पर राजनीतिक संरक्षण हासिल करने में समर्थ हो जाते हैं। बाबाओं को राजनीतिक संरक्षण देने के लिए कोई भी राजनीतिक दल पाक-साफ नहीं है। माना जाता है कि राजनीतिक पार्टियां अपना काला धन खपाने-छिपाने के लिए भी बाबा लोगों का इस्तेमाल करती हैं।

संक्षिप्त-खबर

कामगार फाउंडेशन के द्वारा वृक्षारोपण अभियान चलाया गया

भाटापारा (समय दर्शन)। जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे जल संरक्षण कार्यक्रम मे गाव गाव मे जल को संरक्षित करने हेतु स्वयं सेवी संस्था कामगार फाउंडेशन के द्वारा भाटापारा के ग्राम कोड़ापार मे ग्राम वासियों के मध्य बैठक की गई। बैठक मे जल के महत्व को बताया गया। नल के पानी को उबालकर पीने पर जोर दिया गया। यदि किसी जगह से नल टूट-फूट गया है तो उसकी सूचना सरपंच को प्रदान किया जाए। हर घर मे सोखता गड्ढा को बनाने के बारे मे जानकारी दी जिससे वर्षा का पानी संचित रहे। गाव मे उपस्थित जल स्त्रोतों का परीक्षण करने हेतु जल बहिन को प्रशिक्षण दिया गया। अंत मे गाव मे वृक्षारोपण करवाया गया। इस कार्यक्रम मे संस्था के अध्यक्ष श्री प्रेम पाठक, संस्था के प्रमुख कार्यकारी अधिकारी धीरेन्द्र कश्यप , कार्यकर्ता धारिणी ध्रुव और ग्राम वासी रहे।

कुर्मी समाज के अध्यक्ष चोवा राम वर्मा के निधन पर पाटन राज कुर्मी समाज ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज के केंद्रीय अध्यक्ष चोवा राम वर्मा का निधन हो गया जिनका अंतिम संस्कार ग्राम जरौदा में संपन्न हुआ अचानक हुए निधन से मनवा कुर्मी छत्रीय समाज स्तब्ध है चोवा राम वर्मा एक समाजिक चिंतक समाज को संगठित करने वाला विधान एवम आचार सहिता के पोषक तथा समाजिक समरसता विकास के लिए पूरे समाज में प्रसिद्ध थे अपने कार्यकाल में समाज में व्याप्त कुप्रथाओं को दूर करने निरंतर प्रयासरत रहे जैसे विधवा विधुर पुनर्विवाह कफ्न दफ्न में केवल पांच वस्त्र भेट हो मांगलिक कार्यक्रमों में कानफेडू ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध वैवाहिक कार्यक्रमों में अनावश्यक वस्त्र भेट जैसे समाजिक सरोकार वाली विषयो में कार्यरूप में परिणित कर एक समाज सुधारक के रूप में अपने आप को प्रतिष्ठित किया सैकड़ों की संख्या में स्वजातीय और अन्य समाज के लोग अंत्येष्टि कार्यक्रम में शामिल हुए पूर्व मुख्यमंत्री व कुर्मी समाज के संरक्षक भूपेश बघेल सांसद विजय बघेल पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष सीता राम वर्मा पाटन राज प्रधान युगल किशोर आडिल राज मंत्री केदार कश्यप न्याय प्रकोष्ठ प्रभारी पुरेन्द वर्मा के अलावा उपस्थित समाजिक पधाधिकारी और जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि दी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहा की चोवा राम वर्मा जी का कार्यकाल उनके कार्यों के लिए जाना जाएगा उनके द्वारा अपने समाज के लिए कार्य अन्य समाज के लिए प्रेरणादायक रहा 63 वर्ष की आयु में चले जाना बहुत दुख विषय है श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी लोगो श्रद्धा सुमन अर्पित किए

151 पौधे का ोपण किया गया संगम सेवा समिति के द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर में

शंकर लहरे/ सरायपाली (समय दर्शन)। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सरायपाली सरस्वती शिशु मंदिर में संगम सेवा समिति एवं जागृति युवा साखा सरायपाली सामाजिक जनों ने मिल कर विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम किया जिसमे आम कटहल नीम आँवला गुलमोहर कदम मन्दार जामुन विभिन्न प्रकार के लगभग 151 पोधों का रोपण किया जिसमे ,सरस्वती शिशु मंदिर संस्था ने भी अतिथियों को भेंट स्वरूप पौधों का वितरण कर वृक्षारोपण का संदेश दिया संगम सेवा समिति के संस्थापक प्रखर अग्रवाल ने विद्यालय के छात्र छात्राओं को पर्यावरण के लिए पेड़ पौधों के महत्व को बताया कार्यक्रम में मुख्य रूप से छत्तरसिंह नायक,सरिता साहू,बिहारी लाल अग्रवाल,प्रखर अग्रवाल,विष्णु अग्रवाल,घंसीराम अग्रवाल, त्रिलोचन कर,तुषार सेन,तरुण गड़तिया,आयुष सहु,अभिनय साह,किशन जायसवाल,विजय नाग,एवं शिशु मंदिर के छात्र साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय समिति का पूर्ण सहयोग रहा।

पौधरोपण के साथ उनकी सुरक्षा ज्यादा जरूरी : कुलबीर छाबड़ा

- मोतीपुर स्कूल मैदान में हुए पौधरोपण में शामिल हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष

राजनांदगांव (समय दर्शन)। वृक्षारोपण अभियान के तहत रविवार 7 जुलाई को मोतीपुर स्कूल मैदान परिसर में वृहद पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा शामिल हुए।

पौधरोपण कार्यक्रम में पहुंचे शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि मात्र पौधरोपण करने से कुछ नहीं होता है, बल्कि पौधों की देखभाल, उनकी सुरक्षा के साथ-साथ समय-समय पर खाद-बीज व पानी भी देना पड़ता है। जब जाकर यह पौध वृक्ष का रूप लेकर आने वाले समय में आनंद व सुखदायी जीवन प्रदान करता है। वृक्ष के बिना जीवन संभव नहीं है क्योंकि हमें छाया एवं शुद्ध वातावरण के लिए वृक्ष अति आवश्यकता है। आज के इस आधुनिक युग में बड़े-बड़े उद्योग व इमारत व अन्य सुविधाओं के लिए वृहद रूप से वृक्षों की कटाई हो रही है, लेकिन उस अनुपात में पौधे नहीं लग पा रहे हैं, यह गंभीर विषय है।

अध्यक्ष श्री छाबड़ा ने उपस्थितजनों को संकल्प दिलाते हुए कहा कि कम से कम प्रतिव्यक्ति मात्र 5 पौधे लगाएं और अपने बच्चों की तरह उनका पालन पोषण करें तो देखना आने वाले कुछ सालों में यह कितना हितकारी होगा, वहीं हमारी संस्कारधानी हरा-भरा नजर आएगी। इसलिए हम सब आज से इस बात का संकल्प लें और अपनी जिम्मेदारी समझकर ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं।

पौधरोपण कार्यक्रम में आम, बेल सहित 8 प्रकार के विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस दौरान प्रमुख रूप से शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष मोहम्मद यहया खान, पार्षद मनीष साहू, मुन्ना श्रीवास्तव, सुरेन्द्र गजभिए, फरमान अली, जितेन्द्र सिन्हा, द्वारिका वर्मा, बंशी देवांगन, कमलदास मानिकपुरी, रूपदास साहू, कमल देवांगन, लोकेश देवांगन सहित मोतीपुर के वार्डवासी उपस्थित रहे।

पुरैना में जन समस्या निवारण शिविर

- 13 लोगों ने मांगा आवास, 69 ऐसे वरिष्ठ जनों ने कराया आधार शिडिंग जो घर से नहीं निकल सकते

रिसाली (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम रिसाली के अंतिम वार्ड पुरैना में बुधवार को जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 81 लोगों ने अलग-अलग समस्याओं का निराकरण करने आवेदन प्रस्तुत किया। खास बात यह है कि इनमें 13 ऐसे नागरिक शामिल है जिन्होंने प्रधानमंत्री आवास की मांग की है। शिविर का निरीक्षण महापौर शशि सिन्हा ने की।

निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने अधिकारी और कर्मचारियों को निर्देश दिए है कि ऐसे आवेदन जो शिविर स्थल पर ही निराकरण किया जा सकता है उसका समाधान तत्काल किया जाए, ताकि नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं के निराकरण के लिए इंतजार करना न पड़े। शिविर का निरीक्षण महापौर शशि सिन्हा, महापौर परिषद की सद्स्य डॉ. सीमा साहू, पार्षद ओमप्रकाश मिर्झा, पार्वती महानंद, रंजीता बेनुआ, विधायक प्रतिनिधि के रूप में रिसाली मंडल के महामंत्री राजू जंघेल, विक्की सोनी समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सफाई करने पहुंचे निगमकर्मी- जन समस्या निवारण शिविर में नागरिकों ने शिकायत की थी कि बारिश का मौसम है और वार्ड मे 2 नाली की सफाई अब तक नहीं हुई है। आयुक्त के निर्देश पर निगम कर्मियों ने बिना देरी किए नाली सफाई कार्य शुरू कराया और शिविर समापन के पहले ही कार्य पूर्ण किया।

69 लोग पहुंचे आधार लिंक कराने- पेंशन शाखा स्टॉल में 69 ऐसे लोग पहुंचे थे जिनका अब तक खाता से आधार लिंक नहीं हुआ था। आने वाले समय में आधार नंबर के आधार पर पेंशन राशि खाता में भेजा जाएगा। आधार लिंक नहीं होने से पेंशन राशि पर रोक लग जाएगी। शिविर में 19 राशन कार्ड का वितरण किया गया। इसके अलावा लोककर्म विभाग के 6, प्रधानमंत्री स्वनिधि, राजस्व विभाग के 6 आवेदन प्राप्त हुए।

भाजयुमो का एक पेड़ मां के नाम अभियान, फुंडा, सांतरा, दरबार मोखली, सेमरी और पाटन नगर में किया पौधरोपण

पाटन (समय दर्शन)। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आज भाजयुमो मंडल अध्यक्ष कुणाल शर्मा के नेतृत्व में मंडल क्षेत्र के ग्राम फुंडा, सांतरा, दरबार मोखली, सेमरी और पाटन नगर में विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण किया गया.

कुणाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से पूरे भारत देश में इस अभियान के तहत लाखों करोड़ों पेड़ लगाए जाएंगे. उन्होंने कहा कि जो भी नागरिक यह वृक्ष लगाएंगे, वे अपनी माता की स्मृति को तो हमेशा याद रखेंगे ही, यह धरती मां के लिए भी एक अनुपम सेवा होगी. वृक्षों से ही हमारा जीवन सुरक्षित रहता है. यह दृश्य हम कोविड के दौरान देख चुके हैं. उस समय वातावरण शुद्ध हुआ तो इससे लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि हुई थी. अधिक से अधिक पेड़ लगाकर हमें हमारे क्षेत्र को पर्यावरण की दृष्टि से और समृद्ध बनाना चाहिए।

वृक्षारोपण अभियान में प्रमुख रूप से भाजयुमो मंडल अध्यक्ष कुणाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष योगेश निक्की भाले, सांसद प्रतिनिधि नीतेश तिवारी, महामंत्री रोशन वर्मा, महामंत्री ओम साहू, उपाध्यक्ष भास्कर वर्मा, उपाध्यक्ष मिलन देवांगन,कोषाध्यक्ष रमेश बंछोर, नगर महामंत्री अनिकेत मिश्रा, भाजयुमो मंत्री महेश लहरी, मंडल मंत्री नारायण पटेल , शक्ति केन्द्र संयोजक जय नारायण वर्मा, विनोद चौधरी, लक्ष्मी निर्मलकर, यश वर्मा, आकाश यादव, शिवम यादव, राजा कोसरे सरपंच सांतरा, शीला रानी, गोलू चंद्राकर, दीनदयाल वर्मा, संजय यदु,खेमराज अहीर, याखिल सपहा, संजू वर्मा, राकेश, आकाश कामड़े, भारद्वाज, महेंद्र यदु, जीवन वर्मा, बीरेंद्र, महेंद्र, संगम यदु, मिथलेश वर्मा, सागर सोनी अवधेश सन्नी ठाकर, यश शर्मा, गुलशन सोनी, आर्यन देवांगन, अमीश देवांगन उपस्थित रहे..।

विहिप ने किया श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के कार सेवकों का घर जाकर सम्मान

बसना (समय दर्शन)। विश्व हिन्दू परिषद विकास खंड बसना जिला महासमुन्द के स्वयं सेवकों ने श्री राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के कार सेवकों के घर पहुंचकर किया सम्मान। ग्राम पौंसरा के पावन माटी मे जन्मे जिलानी साहू एवं उनके साथी ,जो 90 की दसक मे 6दिसम्बर य1992 को जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन में कार सेवा में बसना की टीम के साथ अपना योगदान देकर भव्य व दिव्य राम मंदिर की परिकल्पना को साकार करने भाग लिए थे ।

अति सौभाग्य की बात है कि यहाँ के माटी में जन्मे राम भक्त जिलानी साहू ,स्व. बलभद्र प्रधान,स्व. मिनकेतन साहू,स्व. धनेश्वर प्रधान,स्व. महादेव अग्रवाल, स्व. एवन साहू जी को श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन में सम्पूर्ण हिंदुत्व एवम समर्पण भाव के साथ कार सेवा में जान की बाजी लगाकर उत्कृष्ट योगदान देने उस आन्दोलन में भाग लेने का सुअवसर मिला ।

इस पर सम्पूर्ण हिन्दू समाज आपका अभिनदंन करते हुए सहृदय सम्मान करता है। हम सदैव आपसे प्रेरणा लेकर हिंदुत्व संगठन को मजबूत करने हेतु संकल्पित हैं । इस अवसर पर कार सेवक जिलानी साहू अपना मार्मिक अनुभव सभी के सम्मुख प्रस्तुत किया ।कारसेवक जिलानी साहू के साथ सभी स्वर्गीय कारसेवकों के परिजनों को सम्मान पत्र प्रदान किया गया। उक्त अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष सौरव अग्रवाल ने कार सेवा एवम उसका महत्व के ऊपर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर हिंदू समाज को एक छत के नीचे लाने का बड़ा ही महत्ती काम किया है। मंदिर कारसेवा मे योग दान देने वाले सभी कार सेवक हमारे लिए पूज्य हैं। हम को अनंत काल तक प्रेरणा देते रहेंगे। इस दौरान अरुण प्रधान , विद्या पटेल, प्रेमचंद भोई, शिव कुमार साहू,जिलानी साहू,कुलदीप प्रधान, छेलिया साहू,परमेश्वर साहू,प्रेमलाल साहू, दिलीप साहू,निमिचंद प्रधान, साहनी पटेल, शिवनाथ प्रधान,चमरू साहू ,अगस्ती प्रधान एवम परिवारजनों के साथ ग्रामीण रामभक्त उपस्थित थे।

स्वच्छता अभियान के लिए माध्यमिक शाला हरडुआ में हुआ प्रशिक्षण आयोजित

राजनांदगांव (समय दर्शन)। कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं सुश्री सुरुचि सिंह मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के निर्देशानुसार जनपद पंचायत राजनांदगांव अंतर्गत चयनित 30 पंचायत के 50 स्कूलों के स्वच्छता नोडल शिक्षकों एवं सफाई कर्मियों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला हरडुवा में जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में यूनिसेफ एवं वर्ल्ड विजन इंडिया द्वारा आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण में स्वच्छता संबंधित स्कूल के साफ-सफाई से लेकर व्यक्तिगत स्वच्छता, पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली (मिशन लाईफ), सफाई कर्मचारी की सुरक्षा, गरिमा एवं सम्मान के संबंध में विस्तार पूर्वक बसंत मारकंडे वर्ल्ड विजन इंडिया यूनिसेफ द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। उक्त प्रशिक्षण में जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसजवाल, जिला मिशन समन्वयक सतीश ब्यौहरे एवं विकासखंड से विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती आहूजा एवं विकासखंड स्तोत्र समन्वयक भगत सिंह ठाकुर प्रतिभाग किया। साथ ही उपस्थित शिक्षकों एवं सफाई कर्मियों को स्वच्छता एवं दैनिक जीवन में स्वच्छता के आयाम को अपने एवं बच्चों में स्वच्छता अनुकूल व्यवहार लाने हेतु प्रेरित किया गया।

आज शट-डाउन, प्रथम पाली में होगी जल आपूर्ति, द्वितीय पाली में रहेगा जल आपूर्ति प्रभावित

24 एम.एल.डी. फिल्टर प्लांट के ट्रांसफार्मर के आस-पास सफाई कार्य

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम क्षेत्र के 24 एम.एल.डी. फिल्टर प्लांट के ट्रांसफार्मर के आस-पास सफाई कार्य हेतु कल 11 जुलाई गुरुवार को शट-डाउन लिये जाने के कारण शहर के क्षेत्रों में उक्त तिथि को प्रथम पाली में जल आपूर्ति किया जावेगा एवं द्वितीय पाली में जल आपूर्ति प्रभावित रहेगा।नगर निगम द्वारा मांग अनुसार एवं आवश्यकता अनुसार प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जल आपूर्ति की जावेगी।अतएव नागरिकों से अनुरोध है कि, समय पूर्व पर्याप्त मात्रा में जल संग्रहण कर लेवें।प्रभावित क्षेत्र:1. पदमनाभपुर टंकी- वार्ड नं.43 (कसारीडीह, पूर्व), वार्ड नं.44 (बाबा गुरुघासीदास वार्ड),वार्ड नं. 45 (पद्मनाभपुर पश्चिम), वार्ड नं. 46 (पद्मनाभपुर पूर्व) 2.शंकर नगर टंकी वार्ड नं. 10 (शंकर नगर, पश्चिम), वार्ड नं. 11 (शंकर नगर, पूर्व), वार्ड नं. 12 (मोहन नगर, पश्चिम), वार्ड नं. 13 (मोहन नगर, पूर्व), 3. शक्तिनगर टंकी वार्ड नं. 16 (सिकोला बस्ती उत्तर), वार्ड नं. 17 (औद्योगिक नगर, उत्तर),वार्ड नं. 18 (औद्योगिक नगर, दक्षिण), वार्ड नं 19 (शहीद भगत सिंह दक्षिण), वार्ड नं. 20 (शहीद भगत सिंह उत्तर), वार्ड नं. 21 (तितुरडीह), वार्ड नं. 22 (स्टेशन पारा) 4. गिरधारी नगर टंकी वार्ड नं. 09 (स्वामी विवेकानंद वार्ड), वार्ड नं. 05 (मरारपारा), वार्ड नं. 06 (ठेठवारपारा)5. हनुमान नगर टंकी उत्तर), वार्ड नं. 21 वार्ड नं 19 (शहीद भगत सिंह दक्षिण), वार्ड नं. 20 (शहीद भगत सिंह (तितुरडीह), वार्ड नं. 22 (स्टेशन पारा)6. ट्रांसपोर्ट नगर टंकी वार्ड नं. 16 (करहीडीह)7. शनिचारी बाजार टंकी वार्ड नं. 30 (तमेरपारा), वार्ड नं. 31 (आपापुरा), वार्ड नं. 33 (चंडीमंदिर), वार्ड नं. 34 (शिव पारा), वार्ड नं. 35 (रामदेव मंदिर), वार्ड नं. 36 (गंजपारा), वार्ड नं. 37 (आजाद वार्ड) शुक्रवार 12 जुलाई को सभी क्षेत्रों में सप्लाई सामान्य रूप से की जायेगी।

इस्कॉन निकालेगी प्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा, श्रद्धालु करेंगे जगह-जगह स्वागत व दर्शन

- अध्यात्म में है आनंद व खुशी- दास

दुर्ग (समय दर्शन)। अध्यात्म से समाज में आनंद व खुशी बांटने में जुटी अंतरराष्ट्रीय संस्था इस्कॉन की दुर्ग इकाई प्रचार केंद्र द्वारा 13 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। यह रथयात्रा अग्रवाल धर्मशाला बैगापारा से संध्या 3 बजे शुरू होकर पूरे शहर का भ्रमण करते हुए पुरानी गंजमंडी गंजपारा पहुंचकर संपन्न होगी। जहां प्रभु श्री को 56 भोग अर्पण, 108 दीपों से महाआरती कर श्रद्धालुओं को महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा।

रथयात्रा में फूलों से सुसज्जित भव्य रथ, भजन कीर्तन, धुमाल बाजा व आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र होंगे। रथयात्रा में जन प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। रथयात्रा इस्कॉन संस्था का शहर में प्रथम आयोजन है। जिसके चलते संस्था के सदस्य रथयात्रा की भव्य तैयारी में जुटे हुए हैं। यह बातें इस्कॉन प्रचार केंद्र दुर्ग के प्रमुख अनंत श्याम दास ने बुधवार को मीडिया से चर्चा में कही। श्री दास ने इस्कॉन संस्था की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि इस्कॉन दुर्ग में पिछले तीन वर्षों से कार्य कर रही है। वर्तमान में इस्कॉन का अग्रवाल धर्मशाला बैगापारा में प्रचार केंद्र संचालित किया जा रहा है। जहां से 13 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकालने की तैयारी है। यह रथयात्रा चंडी मंदिर मार्ग से होते हुए मान होटल चौक, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, पोलसायपारा, अग्रसेन चौक, ग्रीन चौक, राजेंद्र पार्क चौक, बस स्टैंड, पचरीपारा, इंदिरा मार्केट, पटेल चौक का भ्रमण कर अंत में पुरानी गंजमंडी गंजपारा पहुंचेगी।

रथयात्रा के स्वागत में श्रद्धालुओं द्वारा पूरे रास्तेभर जगह-जगह स्वागत द्वार व स्टॉल लगाए जा रहे हैं। इस्कॉन प्रचार केंद्र के प्रमुख अनंत श्याम दास ने बताया कि लोगों के जीवन में खुशिहाली लाना संस्था का मुख्य उद्देश्य है। वर्तमान परिवेश में लोग किसी न किसी कारण से तनावग्रस्त और परेशान है। जिससे वे नशे की आदत पाल रहे हैं, अपराध की प्रवृत्ति बढ़ रही है या वे अपनी जान तक लेने का निर्णय कर बैठ रहे हैं। इसका समाधान केवल अध्यात्म ही है, क्योंकि अध्यात्म में ही आनंद व खुशी है। इस्कॉन द्वारा इस विषय को श्रीमद् भागवत गीता के माध्यम से लोगों को शिक्षा देकर उनके जीवन में परिवर्तन लाने का कार्य किया जा रहा है। ऐसे कई लोग हैं, जिनकी अध्यात्म से जीवन बदल गई है। वे अब समाज व देश को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाने में पूरी क्षमता के साथ अपनी शक्ति का सदुपयोग कर रहे हैं। मीडिया से चर्चा के दौरान इस्कॉन प्रचार केंद्र के भक्त कीर्ति प्रभु व अन्य भक्त मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

दो माह खराब है ट्रांसफार्मर, किसानों का फसल सूखने लगी है, अब सीएम जनसुनवाई में गुहार लगाएंगे किसान

अहिवारा (समय दर्शन)। बिजली विभाग की उदासीनता से किसान परेशान पिछले दो माह से परेशान है। ग्राम हरदी में एक ट्रांफार्मर खराब हो गया है लेकिन कोई भी जिम्मेदार अधिकारी ट्रांसफार्मर नही बदलवा रहे।बता दे की धमधा जे ई अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत हरदी के किसान विगत दो महीनो से बिजली विभाग का चक्कर काट रहे। ट्रांसफार्मर बदलवाने के लिए तथा अधिकारियों को इनकी जानकारी देने के बावजूद कोई भी अधिकारी ट्रांसफार्मर बदलवाए नही है। खेतो में धान का फसल बड़ा हो गया है था रोपाई के लिए दिया गया धान का नर्सरी भी खराब हो रहा है। बिजली व्यवस्था बंद होने के कारण बोर नहीं चल पा रहा है। लेकिन आज दतक ट्रांसफार्मर बदला नहीं गया है,जिससे थक हारकर किसानों ने धमधा जूनियर इंजीनियर के पास आवेदन दिए । लेकिन यहां भीआश्वासन के अलावा कुछ नही मिला,जिससे किसानों में बिजली विभाग के पर रोष है।

मुख्यमंत्री की जनसुनवाई में जायेंगे किसान – बिजली की समस्या से परेशान ग्राम हरदी के किसान राम रतन, कुमारी बाई, अवध पटेल, गंगू राम, गीता, रोहित ने बताया की आगामी एक दो दिन में इसका निराकरण नही हुआ तो ग्राम हरदी के किसान मुख्यमंत्री जनसुनवाई में इसका शिकायत करने पहुचेंगे।

जिले में एफपीओ का गठन एवं संवर्धन हेतु जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक संपन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले में कृषक उत्पादक संगठन का गठन एवं संवर्धन हेतु जिला स्तरीय निगरानी समिति की प्रथम बैठक आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में कृषक उत्पादक संगठन के गठन, योजना के लक्ष्य एवं उद्देश्य, कृषक उत्पादक संगठनों का पंजीयन, मुख्य गतिविधियां, क्रियान्वयन एजेंसी, कलस्टर आधारित व्यापार संगठन, योजना अंतर्गत फण्ड का उपभोग, कृषक उत्पादक संगठनों के प्रबंधन पर लागत, ईक्विटी ग्राण्ट तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि कृषक उत्पादक संगठन किसानों के समूह द्वारा सहकारी समिति अधिनियम अथवा कंपनी अधिनियम के भाग 9ए के तहत गठित एक निगमित/पंजीकृत निकाय है, जिसके अंतर्गत किसान, संगठन का भी हिस्सेदार है। यह सभी प्रकार की कृषि गतिविधियों जैसे कि एग्री इनपुट, प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन, मार्केट लिंकेज, क्रेडिट लिंकेज, तकनीक आदि का उपयोग, एफ्पीओ के सदस्यों को लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्य करता है। देश में 10 हजार नए कृषक उत्पादक संगठनों का गठन, आकांक्षी जिलों में कुल लक्षित कृषक उत्पादक संगठनों के न्यूनतम 15 प्रतिशत एफ्पीओस का गठन एवं प्रत्येक विकासखण्डों में कम से कम एक एफ्पीओ का गठन योजना का उद्देश्य है। आगामी माह के 11 से 13 तारीख तक नाबार्ड का एफ्पीओ मेला प्रस्तावित है। बैठक में सी.सी.बी., कृषि, उद्यानिकी एवं मत्स्य विभाग से कृषक सदस्यों के संबंध में सुझाव आमंत्रित किये गये। बैठक में सहायक कलेक्टर एम. भार्गव, जिला पंचायत के सीईओ अश्वनी देवांगन, सी.सी.बी. के सीईओ श्री चन्द्राकर, सभी जनपद सीईओ एवं जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी उपस्थित थे।

2 करोड़ का घपला तालापारा में गुमनाम फर्म आरोपी

बिलासपुर (समय दर्शन) राजनांदगांव जिले के मछली विभाग में 2 करोड़ 16 लाख रुपए की हेरा फेरी का सीधा संबंध बिलासपुर के तालापारा क्षेत्र से है। सहायक संचालक गीतांजलि गजभिये के साथ जो दो अन्य आरोपी के खिलाफ कोतवाली थाना में 4 जून 2024 को जो एफआईआर हुई उसमें दूसरे नंबर पर जिस सप्लायर फर्म का जो नाम आया है। वह तालापारा में संचालित बताई जाती है। सरकारी योजनाओं में टेंडर लेने वाली फर्म के पते आमतौर पर इसी तरह लिखे होते हैं, और फर्म के दफ्तर ढूंढे नहीं मिलता। 21 – 22 के वित्तीय वर्ष में हुआ यह घोटाला केज और मछली पालन के काम में हुआ है। हितग्राहियों का नाम पता नहीं मालूम, सब्सिडी की राशि फर्जी दस्तावेज के जरिए सप्लायर के खाते में दोबारा ट्रांसफर की गई।

मोहगांव विद्यालय में शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया

बसना (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं हाई स्कूल संकुल केंद्र मोहगांव में 9 जुलाई दिन मंगलवार को शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती चंद्रमा भोई सरपंच ग्राम पंचायत मोहगांव, विशिष्ट अतिथि आशीष प्रधान अध्यक्ष रामचंडी व्यापारी प्रकोष्ठ सांकरा, अविनाश चन्द्र साहू अध्यक्ष व्यापारी प्रकोष्ठ कोलता समाज रायपुर संभाग, विजय बारीक अध्यक्ष शाला प्रबंधन समिति मोहगांव, रोहित प्रधान, बलदेव बारीक, रमेश प्रधान थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश कुमार प्राचार्य हाई स्कूल मोहगांव ने की। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई और शाला परिवार के द्वारा अतिथियों का तिलक लगाकर, पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। अतिथियों के द्वारा कक्षा पहली, छठवीं और नवमीं के नवप्रवेशी विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, मिठाई व चॉकलेट खिलाकर और गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया।

विद्यार्थियों को नि: शुल्क पाठ्यपुस्तक और गणवेश का वितरण किया गया । इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि आशीष प्रधान, प्रधान वस्त्रम सांकरा के संचालक के द्वारा प्राथमिक शाला मोहगांव के निर्धन वर्ग के 21 बच्चों को स्कूल बैग प्रदान किया गया । विशिष्ठ अतिथि अविनाश चन्द्र साहू लक्ष्मी मेडिकल स्टोर्स सांकरा के द्वारा पूर्व माध्यमिक शाला मोहगांव के निर्धन वर्ग के छात्रों को स्कूल बैग प्रदान करने की घोषणा की गई । इस अवसर पर आशीष प्रधान ने कहा कि मोहगांव विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था बहुत अच्छी है, इसीलिए यहाँ पर दूर-दूर से बच्चे पढ़ने आ रहे हैं, और बहुत अधिक संख्या में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बच्चे चयनित हो रहे हैं । यहाँ का बाल उद्यान और शाला परिसर बहुत अच्छा है । इसके लिए विद्यालय के प्रधान पाठक भोजराज प्रधान, समस्त शिक्षक और शाला प्रबंधन समिति के सदस्य धन्यवाद के पात्र हैं । अविनाश चन्द्र साहू ने कहा कि यह विद्यालय किसी भी निजी विद्यालय से श्रेष्ठ है । अध्यक्ष विजय बारीक ने बच्चों को अच्छी पढ़ाई कर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफ्ल होने के लिए प्रेरित किया और समिति के सदस्यों के द्वारा विद्यालय को हरसंभव सहयोग करने का भरोसा दिलाया । विद्यालय के प्रधान पाठक भोजराज प्रधान ने जानकारी दी कि इस वर्ष प्राथमिक शाला मोहगांव से नवोदय विद्यालय में 18, सैनिक स्कूल में 1 एकलव्य विद्यालय हेतु 3 सहित कुल 22 विद्यार्थियों का चयन हुआ है । और वर्तमान में शासकीय प्राथमिक शाला मोहगांव में आसपास के लगभग 60 गांव के बच्चे अध्ययन कर रहे हैं । प्राचार्य जगदीश कुमार ने अतिथियों का आभार व्यक्त कर नवप्रवेशी बच्चों को शुभकामनाएं प्रेषित किया । इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक अहीर कुमार बरिहा, बी. एस. भोई, हेमन्त कुमार कर, सालिकराम बंजारे, रविलाल प्रधान, श्रीमती कविता बढ़ाई, भोजराज प्रधान, लाल कुमार कुर्रे, अंजय कश्यप संकुल समन्वयक मोहगांव, रत्नाकर प्रधान, प्रह्लाद प्रधान, मोहन साव, लक्ष्मण भोई सहित पालकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन गौरीशंकर पण्डा सहायक शिक्षक ने किया।

अवैध रेत परिवहन एवं भण्डारण पर विभाग मौन

बसना (समय दर्शन)। बसना और सरायपाली की उड़ीसा सीमा क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन एवं भण्डारण का कारोबार बदस्तूर जारी है । विभाग की मौन सहमति से फल फूल रहा रेत का अवैध कारोबार बेरोकटोक जारी है। शहर व आसपास के क्षेत्रों में अवैध रूप से रेत का भंडारण किया जा रहा है।

वहीं रोजाना दिन व रात दर्जनों हाईवा से रेत लाया जा रहा है। प्रशासन के नाक के नीचे अवैध कारोबारियों को आखिर किसका संरक्षण प्राप्त है ? समझ से परे है।

प्रधानमंत्री सड़क पर धड़ल्ले से दिन रात चल रहे ओवर लोडेड 30 टन, 40 टन की गाडियां रोड को लगातार हानी पहुँचा रहे हैं। ओडिशा से पझरापाली, राजाडीह गढफूलझर जंगलबेड़ा सिरपुर ,तोरेसिंहा, अन्तरला होते हुए रोजाना सरायपाली आ रहा है। वहीं गढफुल्लझर, से बसना व देवरी होकर गंतव्य तक अवैध रेत का परिवहन चल रहा है। चिरोली घाट से रोजाना 15 गाड़ियां (डम्पर, हाईवा) में गढफुलझर (थाना बसना) के रास्ते होते हुए राजाडीह , अंतर्ला, जोगनीपाली होते हुए बसना सरायपाली पहुँच रहा है। गौरतलब हो कि, इस मार्ग से अंधेरे मे भी गाडियाँ चल रही है। हलझएन जी टी की नियमों को भी देखा रहे ठेंगा। अवैध उत्खनन से लाखो के राजस्व, रायल्टी का घाटा हो रहा है। विगत दिनो जून मे प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने रेत के अवैध उत्खनन,परिवहन एवं भण्डारण पर कार्यवाही के निर्देश दिए थे,,जिसके बाद प्रशासन चौकन्ना होकर 40 हाईवा जप्तकर खनिज विभाग को सौंपा था,सूत्रों से पता चला है,,उन गाड़ियों के मालिक अभी तक सामने नही आ रहे।

क्या कहती है अधिनियम– इन प्रकरणों मे प्रभावी रोकथाम हेतु खान और खनिज अधिनियम1957 के तहत धारा4 (1) एवं 4(1-क)केअनुसार इस अधिनियम और उसके अधीन बनाये गये नियमो के उपबंधों के अनुसार कोई व्यक्ति खनिज का उत्खनन, परिवहन,भंडारण नही करेगा व करायेगा।

इस अधिनियम का उल्लंघन करने पर पाँच वर्ष तक का कारावास एवं प्रति हेक्टेयर के हिसाब से पाँच लाख रूपये तक का जुर्माना किये जाने का प्रावधान है ।इसके अलावा धारा21(12) के तहत अधिनियम के उल्लंघन करते पाये जाने पर दो वर्ष तक कारावास ,पाँच लाख रूपये तक या दोनों से दंडित करने का प्रावधान है । उलंघन लगातार जारी रहने की दशा मे प्रतिदिन के हिसाब से पचास हजार रुपये तक दण्ड का प्रावधान है।

ओव्हर लोड से रोड हो रहे खराब,राजस्व रायल्टी का हो रहा घाटा– बगैर नंबर प्लेट की भी गाड़ियां दौड रही है। माइनिंग एवं आर टी ओ विभाग सुस्त है। जैसे साँकरा, चिरोली, सोनपुर, आदि जगहों से ट्रैक्टर और हाईवा से रेत की सप्लाई की जा रही है। सूत्रों से पता चला है कि,कुछ जगह जंगल के अंदर भी डम्प करके रखा जा रहा है। बसना,पिथौरा, सरायपाली क्षेत्र में अब तक किसी भी अधिकारी ने रेत के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की है,। ओवरो लोडेड गाड़ियों से रोड लगाकर कट और उखड़ रहा है। कई जगह डबल केजरीवाल ट्रेक्टर की रोड मे आवाजाही से रोड कटकर क्षतिग्रस्त हो रहा है। गाँव के सरपंच ,जनप्रतिनिधि और स्थानीय अधिकारी कर्मचारी शासन को चूना लगते देख चुप्पी साधे हैं । फील्ड में हो रहे विभागीय अवैध कारोबार मे लगाम लगाने की बजाय माइनिंग विभाग न जाने क्यों सुस्त है?

12 टन की प्रधानमंत्री सड़क पर धड़ल्ले से दिन हो या रात रेत लोडेड 30 टन, 40 टन की गाडियां चल रही है । सड़क जर्जर हो रहा है । प्रशासनिक कार्यवाही की दरकार है ? पर प्रशासन एवं विभाग कब जागेगी और क्षेत्र में बेधड़क चल रहे अवैध रेत के कारोबार पर अंकुश लगेगा । या फिर माइनिंग विभाग द्वारा सरकार का हो रहा बेतरतीब घाटे की फेहरिस्त मे और अध्याय जुड़ेगा।

भाजपा सरकार में बढ़ी बिजली दरों के खिलाफ ब्लॉक कांग्रेस ने दिया धरना

राजनांदगांव (समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस के आदेश अनुसार प्रदेश में बढ़ी हुई बिजली दरों एवं अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर छाबड़ा की उपस्थिति में शहर कांग्रेस दक्षिण ब्लॉक के अध्यक्ष सूर्यकांत जैन एवं उत्तर ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष आसिफ अली द्वारा संयुक्त रूप से इक दिवसीय धरना दिया गया।

शहर कांग्रेस दक्षिण ब्लॉक के अध्यक्ष सूर्यकांत जैन ने धरने का संचालन करते हुए जानकारी दी कि जनता की तकलीफ को देखते हुए आज बिजली कार्यालय के सामने प्रात: 10 बजे से कांग्रेसजनों ने जनता के साथ मिलकर बीजेपी की गलत नीतियों का विरोध करते हुए जनता की आवाज बुलंद की। सूर्यकांत जैन ने बताया कि धरने की शुरुआत महात्मा गांधी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। तत्पश्चाप पूर्व ऊर्जा मंत्री धनेश पाटिला ने भाजपा सरकार को आडे हाथ लेते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में सरप्लस बिजली होने के बावजूद बिजली की दरों में वृद्धि करना आम जनता के साथ धोखा है। वहीं शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर छाबड़ा ने कहा कि जनता पहले से ही महंगाई से त्रस्त है, इसके बावजूद बिजली बिल में 20 प्रतिशत वृद्धि करना जनता के साथ कुठाराघात है। महापौर हेमा देशमुख ने कहा कि एक तरफ राज्य सरकार महतारी वंदन योजना से 1000 रूपये देकर दूसरे हाथ से बिजली बिल के माध्यम से छीन रही है और तो और छत्तीसगढ़ का कोयला अदानी को देकर छत्तीसगढ़वासियों का हक मार रही है। उत्तर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आसिफ अली ने भाजपा सरकार के दोहरे चरित्र की बात कही और विद्युत विभाग के अधिकारी बिजली की समस्या के लिए जब आम लोग फोन करते हैं तो जवाब देने में सक्षम नहीं है, अगर स्थिति नहीं सुधरी तो कांग्रेस जन संगठन के मार्गदर्शन में कड़े कदम उठाएगी। तत्पश्चात दक्षिण ब्लॉक के धरना के प्रभारी रमेश राठौड़ ने ब्लॉक कांग्रेस के धरने का समर्थन करते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा जनता की समस्या को उठाया है और उनके दुख दर्द में हमेशा साथ रहती है। उन्होंने ब्लॉक कांग्रेस के सफ्ल आयोजन के लिए दोनों ब्लॉक अध्यक्षों को बधाई दी।

उक्त अवसर पर धरना प्रदर्शन को प्रमुख वक्ताओं ने संबोधित किया जिसमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेसी रमेश डाकलिया, प्रदेश प्रवक्ता रूपेश दुबे, मेहुल मारू, झम्मन देवांगन, रुबीना अल्वी, शारदा तिवारी, अमित चंद्रवंशी, नीरज कन्नौजे, अभिमन्यु मिश्रा, मदन साहू, डॉ. राकेश कुमार, मधुकर बंजारे, प्रज्ञा गुप्ता, पार्षद मनीष साहू, महेश साहू, अमीन हुड्डा, राजेश चौहान, सुनील पिल्ले, संजय साहू, महेश यादव, सुरेंद्र देवांगन, अमित खंडेलवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि अघोषित बिजली कटौती बंद होनी चाहिए और बिजली बिल पुरानी दरों पर होना चाहिए।

शिव लिंग में होता है तीनो लोक का वास : पंडित पुरन शर्मा

ग्राम छाटा में शिव महापुराण कथा का दूसरा दिन, शिव बाबा के भजन में झूम रहे है श्रद्धालु

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम छाटा में आयोजित शिव महापुराण कथा के दूसरे दिन आज बुधवार कथा व्यास से पंडित पुरण प्रसाद शर्मा ने शिव लिंग की महिमा तथा चंचूला कथा विस्तार से सुनाई। इस दौरान शिव की भजन पर श्रोता झूमते भी रही। लगातार हर हर महादेव की जयकारा लगाते रहे।

शिव कथा वाचक पंडित पुरण प्रसाद शर्मा ने शिव लिंग की महिमा का बखान करते हुए कहा की शिवलिंग की महिमा का वर्णन शिव पुराण और लिंग पुराण में भी मिलता है। इनके अनुसार शिव लिंग के मूल में ब्रह्मा, मध्य में विष्णु और ऊपरी भाग में शिव का वास होता है तथा शिव लिंग की वेदी या अर्घा आदि शक्ति माता पार्वती का रूप मानी जाती है। शास्त्रों के अनुसार अलग-अलग प्रकार के शिवलिंग का पूजन करने से भक्तों की सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। उन्होंने कथा के आगे बढ़ाते हुए चांचूला स्त्री की कथा सुनाते हुए कहा की शिवपुराण की कथा के अनुसार एक बार वाष्कल नामक गांव में बिन्दुग नाम का ब्राह्मण रहता था। वह बड़ा दुरात्मा और महापापी था। यद्यपि उसकी स्त्री बहुत सुंदर थी लेकिन वह कुमार्ग पर ही चलता था। उसकी पत्नी का नाम चंचुला था और वह सदैव धर्म के पालन में लगी रहती थी। इस तरह कुकर्म में लगे हुए उस ब्राह्मण के साथ उसे बहुत वर्ष बीत गए। अपने धर्म के नष्ट होने के डर से कभी भी अपने धर्म से विचलित नहीं हुई लेकिन उसका पति तो

दुराचारी था इसलिए दुराचारी पति के आचरण से प्रभावित होकर वह स्त्री भी अपने ही पति की तरह दूरचारिणी हो गई। बहुत समय बीत जाने के बाद वह दूषित बुद्धि वाला दुष्ट ब्राह्मण समय के अनुसार मृत्यु को प्राप्त होकर नर्क में चला गया। बहुत दिनों तक नर्क के दुख भोगकर वह पापी एक भयंकर पिशाच हो गया। दूसरी तरफ उस दुराचारी पति की मृत्यु के पश्चात चंचुला बहुत समय तक अपने पुत्रों के साथ अपने घर में ही रहती। एक दिन ईश्वर कृपा से वह अपने भाई बंधुओं के साथ एक तीर्थ क्षेत्र में चली गई। तीर्थ यात्रियों के साथ उसने तीर्थ के जल में स्नान किया और अपने भाइयों के साथ इधर-उधर घूमने लगी। वहां उसने एक देव मंदिर में एक ब्राह्मण को भगवान शिव की परम पवित्र और उत्तम पौराणिक कथा कहते हुए सुना। वह ब्राह्मण यह कह रहे थे कि जो स्त्रियां पर पुरुषों के साथ व्यभिचार करती हैं यमराज के दूत उन्हें बहुत कष्ट देते हैं। ऐसा सुनकर चंचुला भय से कांपने लगी। उसने विचार किया कि उसने तो अपने पति के साथ बहुत पाप किए हैं तो उसे भी उन पापों का दंड भोगना पड़ेगा। इसके बाद उसे चैन नहीं आया और उसने उस ब्राह्मण से विनती की, हे प्रभु मेरे ऊपर आप कृपा करें और मेरा उद्धार करें। मैं आप के प्रवचन सुनकर भय से कांप रही हूं और इस संसार से मुझे वैराग्य हो रहा है। मैंने जीवन भर दुराचार किया है, न जाने मेरे मरने के बाद मुझे कैसी-कैसी घोर यातनाएं साहनी पड़ेगी। कौन मेरा साथ देगा । चंचुला के इन वचनों को सुनकर ब्राह्मण बोले, हे चंचुला ! यह तो बड़े सौभाग्य की बात है कि भगवान शंकर की कृपा से शिवपुराण की कथा को सुनकर तुम्हारा मन समय पर ही सावधान हो गया। पश्चाताप ही पाप करने वाले पापियों के लिए सबसे बड़ा प्रायश्चित है। साधु-संतों ने भी पश्चाताप को ही समस्त पापों का नाश करने वाला बताया है। पश्चाताप से ही पापों की शुद्धि होती है। जो पश्चाताप करता है वही समस्त भय से मुक्त होकर के निर्भय हो जाता है। इसलिए ब्राह्मण पत्नी, तुम विषयों से अपने मन को हटाओ और भक्ति भाव से भगवान शंकर की इस पावन कथा को सुनो। इस कथा को सुनने से तुम्हारे चित्त की शुद्धि होगी और तुम्हें मोक्ष की प्राप्ति हो जाएगी। ऐसा सुनने के बाद उस चंचुला ने शिवपुराण की कथा को सुनने की इच्छा से मन में उस ब्राह्मण देव की सेवा का संकल्प लिया और उन्हीं के साथ रहने लगी। उसके पश्चात शुद्ध बुद्धि वाले उस ब्राह्मण ने उस स्त्री यानि चंचुला को शिवपुराण की समस्त कथा सुनाई। तत्पश्चात समय का चक्र पूरा होने के बाद भक्ति, ज्ञान और वैराग्य से युक्त हुई चंचुला ने अपने शरीर को बिना किसी कष्ट के त्याग दिया। जैसे ही चंचुला ने अपने शरीर को त्यागा, भगवान शंकर का भेजा हुआ दिव्य विमान वहां पहुंच गया और भगवान शंकर के गणों ने चंचुला को उस विमान पर बिठाया और शिवलोक में ले गए। वह दिव्य रूप धारिणी दिव्यांगना हो चुकी थी। चंचुला ने वहां साक्षात भगवान शंकर को देखा। उनके पांच मुख थे और हर मुख में उनकी तीन आंखें थी। मस्तक पर चंद्रमा सुशोभित हो रहा था। उन्होंने अपने बांई और माता पार्वती को बिठा रखा था। उनका सारा शरीर भस्म से भासित था। शरीर पर श्वेत वस्त्र शोभा पा रहे थे। इस प्रकार परम उज्जवल भगवान शंकर का दर्शन करने के बाद वह ब्राह्मण पत्नी बहुत प्रसन्न हुई। उसने महादेव और पार्वती को प्रणाम किया और उसकी आंखों से अश्रुओं की अविरल धारा बहने लगी। संपूर्ण शरीर में रोमांच पैदा हो गया और माता पार्वती एवं भगवान शंकर ने बड़ी करुणा से उसे अपने पास बुलाया उसकी ओर देखा और माता पार्वती ने चंचला को प्रेम पूर्वक अपनी सखी बना लिया। दूसरे दिन की कथा के विश्राम के अवसर पर आरती में सभी श्रद्धालु शामिल हुए। इस। अवसर पर प्रमुख रूप से परायण कर्ता सूरज मिश्रा रायपुर, नोहर यादव, मोंगरा यादव, बलदाऊ यादव, एमिन यादव, बलदाऊ यादव, जामवंतिन यादव, हरी यादव, सावित्री यादव, कविता यादव, किरण यादव, सुमन यादव, रेनू शर्मा, उमा निषाद, भगवती साहू, ओम टंडन, शैल बघेल, सरस्वती साहू, उर्वशी साहू, मेघा वर्मा, संजय वर्मा, जगदीश यादव, भगवती विश्वकर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

खबर-खास

मोटोरोला ने लॉन्च किया moto g85 5G- सेगमेंट में पहली बार 3D कर्व्ड pOLED 120H5 डिस्प्ले

नईदिल्ली। भारत के सर्वश्रेष्ठ 5G स्मार्टफोन ब्रांडट्ट, मोटोरोला ने आज moto g85 5G के लॉन्च की घोषणा की। यह moto g series का पहला स्मार्टफोन है, जिसमें सबसे बेहतरीन 3D curved, एंडलेस एज डिस्प्ले लगाया गया है। moto g85 5G को इस सेगमेंट में पहली बार कई उम्दा और बेहतरीन फीचर्स के साथ पेश किया गया है, जिनमें सेगमेंट के सर्वश्रेष्ठ 3D कर्व्ड v20H5 pOLED डिस्प्ले के साथ Gorilla Glass 5 प्रोटेक्शन और 1600 nits का ब्राइटनेस शामिल है। लोगों को हैरत में डाल देने वाले Son LYTIA™ 600 सेंसर के साथ सेगमेंट के सबसे शानदार शेक फ्री 50MP OIS कैमरे के साथ आने वाले इस स्मार्टफोन का डिजाइन काफी स्लीक, लाइटवेट और सुपर-प्रीमियम है, जिसे पैनटोन क्यूरेटेड कलर्स के अलावा बेहतरीन सॉफ्टवेयर अनुभव के लिए Smart Connect के साथ बाजार में उतारा गया है। इसके साथ ही, moto g85 5G में इस सेगमेंट का सबसे बेहतरीन 12GB RAM + 256GB स्टोरेज है और यह 13 5त्र बैंड्स के साथ जबरदस्त 5G परफॉरमेंस, VoNR और इसी तरह के ढेर सारे फीचर्स को सपोर्ट करता है, जिसकी प्रभावी कीमत सिर्फ 16,999* रुपये (8+128GB) और 18,999* रुपये (12+256GB) है।

सैमसंग इंडिया ने 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' की 100 टीमों की पहली सूची जारी की

भिलाई: भारत के अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपनी एक बड़ी सीएसआर पहल - 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' के लिए 100 टीमों को शॉर्टलिस्ट करने की घोषणा की है। यह पहल देशभर में नए-नए आविष?कार करने के सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई है। इस शॉर्टलिस्ट में 'स्कूल' और 'यूथ' ट्रैक से 50-50 टीमें शामिल हैं जो अब राष्ट्रीय शिक्षा और नवाचार प्रतियोगिता में आगे प्रतिस्पर्धा करेंगी। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के कॉर्पोरेट वाइस प्रेसिडेंट एसपी चुन ने कहा सैमसंग का मानना है कि हमारे युवाओं में सकारात्मक सामाजिक बदलाव लाने की अपार शक्ति और क्षमता है।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शहीद परिवारो का सुनी गई फरियाद, शहीद परिवार द्वारा पुलिस अधीक्षक के माध्यम से मुख्यालय स्तर पर विभिन्न मांगों को लेकर रखी अपनी बातें

गरियाबंद (समय दर्शन)। 10 जुलाई को पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर *शहीद पुलिस सेल*अति.पुलिस महानिदेशक हिमांशु गुप्ता,उमनि पारूल पाथुर के द्वारा वीडियों कान्फ्रेंस के माध्यम से शहीद परिवारों का फरियाद सुने।

शहीद परिवार के द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित तुकाराम काम्बले के माध्यम से विभिन्न बिन्दुओं में अपनी बात रखी जैसे अनुकम्पा नियुक्ति,पेंशन,शहीद स्मारक, शहीद के नाम पर स्कूल का नामकरण,शहीद परिवार आई.कार्ड,दिगर विभाग में नौकरी,शहीद परिवार को सरकारी नौकरी में छुट जैसे अन्य मुद्दों पर चर्चा किया गया।

शासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा शहीद जवानों के परिवारों के देख-भाल के लिए एक *शहीद पुलिस सेल* का हर जिले में गठन किया गया है। इस सेल में पुलिस अधीक्षक के साथ कुल-10 सदसीय सेल का तैनात किया गया है।शहीद पुलिस सेल के द्वारा समय समय पर शहीद परिवारों के सदस्यों से भौतिक रूप से या दूरभाषा के माध्यम से संपर्क कर

हाल-चाल पुछे जाते है। साथ ही साथ शासन एवं प्रशासन के योजनओं जैसे शहीद के परिवार को अनुकम्पा नियुक्ति देना, पेंशन का लाभ,नि:शुल्क शिक्षा,चिकित्सा प्रावधानों का जानकारी के अलावा अन्य लाभ के संबंध में भी जानकारी बताया गया।गरियाबंद पुलिस कप्तान के द्वारा सी.आर.पी.एफ के शहीद जवान राजेश कुमार ध्रुव की पत्नि तुलसी ध्रुव निवासी ग्राम रवेली थाना छुरा के द्वारा अपने अनुकंपा नियुक्ति जिला स्तर पर ही सी.आर.पी.एफ में नियुक्ति चा रही थी।वीडियों कॉन्फ्रेंस के दौरान उनकी बात को वरिष्ठ अधिकारी के समक्ष रखे। प्रत्येक माह *शहीद पुलिस सेल का मुख्यालय स्तर पर मीटिंग आयोजित कर शहीद के परिवारों का हाल-चाल पुछते हुए लंबित फरीयादों को लेकर चर्चा की जायेगी साथ ही लंबित मांगों का त्वरित निराकरण किया जायेगा।आज के इस वर्चुअल मीटिंग में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरियाबंद धीरेन्द्र पटेल नक्सल ऑप्स, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र चंद्राकर के साथ जिले के सभी शहीद पुलिस जवानों के परिवार उपस्थित रहे।

दहेज कम मिलने पर बिना शादी किये वापस लौटी बारात, दुल्हन ने थाना पहुंच दर्ज कराया मुकदमा

दूल्हा पक्ष में लगाए दहेज मांगने और मारपीट करने के आरोप

गरियाबंद (समय दर्शन)। दहेज कम था,वरमाला में सोने की चैन नही मिली इससे नाराज लालची दूल्हा बिना ब्याह के ही बारात लेकर वापस लौट गया। दुल्हन पक्ष ने जब समझाने और मानने की कोशिश की तो उनके साथ मारपीट और बदसलूकी भी की। जिसके बाद देर रात दुल्हन लालची दुल्हे और उसके परिवार के विरूध्द कार्रवाई की मांग को लेकर थाना पहुंची। दुल्हन की शिकायत के बाद पुलिस मामले के जांच में जुट गई हैं। मामला सीटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत डाक बंगला वार्ड गरियाबंद का है।

जानकारी के मुताबिक सोमवार को नगर के डाक बंगला वार्ड निवासी लड़की की शादी थी। यहां बालोद जिले के दल्लीराजहरा से बारात पहुँची थी। तय कार्यक्रय अनुसार रात 8 बजे बाजे गाजे के साथ बारात विवाह स्थल तक पहुंची।दुल्हन पक्ष ने उनका स्वागत भी किया। लेकिन विवाह के पहले जब दुल्हे पक्ष ने देखा कि मौके पर दहेज का समान कम है,उनकी मंशा के अनुरूप नही है तो बात ही बात में विवाद शुरू कर दिए। दोनो पक्षो के बीच विवाद इतना बढ़ गया की दूल्हा पक्ष बिना ब्याह के ही बारात लेकर वापस लौट गया।इस बीच दुल्हन पक्ष उन्हें मानते भी रहे,लेकिन नही माने। बताते है कि वरमाला के दौरान भी दुल्हे ने सोने की चैन देने की मांग की। इस पर दुल्हन के मां के साथ उसकी कहा सुनी

हुई, दूल्हे ने उस पर हाथ भी जड़ दिया। इसके बाद दोनों पक्षों में काफी मारपीट हुई। जिसके बाद बारात लौट गई।

इधर, विवाद के बाद दुल्हन देर रात ही परिजनो के साथ मामले की शिकायत दर्ज कराने सीटी कोतवाली थाना पहुँची। अगले दिन मंगलवार सुबह दुल्हन ने एसपी तुकाराम कांबले और सीटी कोतवाली पुलिस के समक्ष दुल्हा पक्ष के विरूध्द लिखित शिकायत दर्ज कराई। आरोप लगाया है कि मामले में दुल्हन ने पहले भी एक बार मंदिर में शादी होने की बात कही है।

बयान 1. मामले में दुल्हन ने बताया कि उसकी शादी दल्लीराजहरा के रहने वाले अनिल गंधर्व के साथ तय हुई थी। बिती रात दहेज कम होने के चलते वे बिना शादी के ही लौट गए।मेरी मॉ के साथ मारपीट भी की।इसके पहले सगाई के दिन भी दुल्हे ने उसके साथ मारपीट की थी। लेकिन दोनो परिवारो के बीच बातचीत के बाद मसला सुलझा लिया गया था। **बयान 2.** मामले में दुल्हन की मां ने बताया कि दुल्हा पक्ष बारात आने के साथ ही बात बात पे विवाद कर रहे थे। हमारे द्वारा कूलर, फ्रीज, वाशिंग मशीन, सोफा, पलंग, बर्तन, टेबल, कुर्सी, डायनिंग सहित अन्य सामान दिया गया था। लेकिन वे संतुष्ट नहीं हुए।वरमाला में सोने की चैन मांगी।समझाने की कोशिश करने पर दुर्व्यवहार और मारपीट की है। जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

बयान 3 - इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र चंद्राकर ने शिकायत की पुष्टि करते हुए बताया कि सोमवार को सीटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत गरियाबंद में डाकबंगला में शादी का आयोजन था। लेकिन किसी कारणवश शादी नही हुई।इस मामले में दुल्हन व उसके परिजनो ने दुल्हा पक्ष के विरूध्द शिकायत की है।मामले की जांच की जा रही है जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिले में चला वृहद वृक्षारोपण अभियान, 1 लाख 40 हजार से अधिक पौधों का किया गया रोपण

कलेक्टर श्री अग्रवाल पारागांव एवं मालगांव पहुंचकर वृक्षारोपण अभियान में हुए शामिल

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के सभी विकासखंडों में आज वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति की सुरक्षा के लिए वृहद स्तर पर पौधरोपण किया गया।अभियान में जिले वासियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया।वृक्षारोपण अभियान के तहत 1 लाख 40 हजार से अधिक पौधों का रोपण किया गया।इसके तहत कृषि,उद्यानिकी,महिला एवं बाल विकास तथा शिक्षा विभाग द्वारा जिलेभर में वृक्षारोपण किया गया।अभियान की विशेष बात यह रही कि जिले की नवविवाहित, गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं ने भी उत्साह के साथ वृक्षारोपण में भाग लिया।जिले की लगभग 17 हजार से अधिक महिलाओं ने 85 हजार से अधिक फलदार पौधों का रोपण किया।साथ ही पौधों को छोटे बच्चे की तरह देखभाल कर उन्हें बड़ा करने का संकल्प लिया।यह पौधे बड़े होकर कुपोषण से लड़ने में सहायक फलों का उत्पादन करेंगे।जिससे बच्चे और महिलाओं के साथ पूरा

परिवार लाभान्वित होगा। वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में कलेक्टर दीपक अग्रवाल भी शामिल हुए।उन्होंने गरियाबंद विकासखण्ड के ग्राम पारागांव एवं ग्राम मालगांव में पहुंचकर फलदार पौधों का रोपण किया।उन्होंने लोगों को पौधों का महत्व बताते हुए अपने घरों में भी वृक्षारोपण करने का संदेश दिया। कलेक्टर श्री अग्रवाल की उपस्थिति में पारागांव के गर्भवती महिला चांदनी कंसारी ने अपने घर की बाड़ी में पौधारोपण किया।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ रीता यादव,डीपीओ अशोक पाण्डेय एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी सहित मीडियाकर्मी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि जल शक्ति अभियान के तहत जिला प्रशासन द्वारा जल संरक्षण, पर्यावरण की दिशा में,''नारी शक्ति से जल शक्ति''अभियान चलाया जा रहा है।जिसके तहत नवयुगल,गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के भविष्य के लिए फलदार पौधरोपण किया जा रहा है और उन पौधों को सहेजनें के लिए संकल्प पत्र भी भराया जा रहा है।ताकि उनके द्वारा रोपे गये पौधों को बच्चों की तरह देखभाल कर उन्हें बड़ा किया जा सके। इसके उपरांत फल लगने पर अपने बच्चों एवं परिवार के पोषण के लिए उपयोग किया जा सके।इस दौरान गर्भवती महिला चांदनी कंसारी ने अपने बाड़ी पर काजू, कटहल,मुनगा,अमरूद और नींबू पौध रोपण किया। इस पर कलेक्टर ने उन्हें अच्छे से अपने बच्चे की तरह देखभाल करने और बड़ा करने को कहा।

//आम सूचना//
कार्यालय रिटर्निंग अधिकारी ऐश्वर्यलक्ष्मी सहकारिता प्राथमिक उपभोक्ता भण्डार मर्यादित बोरिद, विकास खण्ड पाटन, पंजीयन क्रमांक 3038 जिला दुर्ग

राज्य सहकारी निर्वाचन आयोग, छत्तीसगढ द्वारा जारी आदेश क्र./रा.स.हनि.आ. / निर्वाचन / डी.आर.जी.-81/2024/518 रायपुर, दिनांक 14.03.2024 के परिपालन में संस्था ऐश्वर्यलक्ष्मी सहकारिता प्राथमिक उपभोक्ता भण्डार मर्यादित बोरिद, विकास खण्ड- पाटन, जिला-दुर्ग, पंजीयन क्रमांक 3038 के संचालक मंडल के निर्वाचन हेतु रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती शोभा गुप्ता द्वारा आज दिनांक 10/07/2024 को संस्था के चोर्ड / मंडल के निर्वाचन हेतु निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया है, निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 20/07/2024 को नामांकन फार्म लिये जायेंगे। दिनांक 21/07/2024 को नामांकन फार्मों की जांच की जावेगी, दिनांक 22/07/2024 को नाम वापसी, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के सूची का प्रकाशन एवं चुनाव चिन्ह आवंटन किया जावेगा। निर्वाचन (मतदान) दिनांक 28/07/2024 को 12:00 बजे 3:00 बजे तक स्थान संस्था कार्यालय में कराया जायेगा। मतदान के एक घंटे के पश्चात् मतगणना प्रारंभ किया जावेगा। तदोपरांत परिणाम की घोषणा की जावेगी। दिनांक 01/08/2024, समय 12:00 बजे से 2:00 बजे तक अध्यक्ष/उपाध्यक्ष एवं अन्य सोसाइटियों के प्रतिनिधियों तथा अन्य पदाधिकारियों का निर्वाचन कराया जावेगा।

(श्रीमती शोभा गुप्ता) रिटर्निंग अधिकारी
ऐश्वर्यलक्ष्मी सहकारिता प्राथमिक उपभोक्ता भण्डार मर्यादित बोरिद, विकास खण्ड- पाटन, पंजीयन क्रमांक 3038 जिला दुर्ग

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग
मामले की श्रेणी: राजस्व
//ईश्तहार//

संदर्भ: जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00019 दुर्ग ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. आरडी 202324430103900203

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00019 के अंतर्गत ग्राम दुर्ग के वर्तमान भूमिस्वामी खुर्शीद बेगम जौजे अनवर खान पिता/पति-पता-दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 1041/26(0.0040), 1041/27 (0.0110) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता निशा खान, रुबीना बानो पिता/पति-स्व. अनवर खान पता-तकिया पारा, दुर्ग, रोशन खान, अख्तर खान पिता/पति-स्व. अनवर खान पता-तकियापारा दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 24/07/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/07/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
दुर्ग, जिला- दुर्ग
मुहर

न्यायालय नजूल अधिकारी कबीरधाम (छ.ग.)
//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र.ई. पंजी./202407082200016/अ-6/ वर्ष 2023-24

आवेदक गजानंद पिता भरत साहू साकिन कवर्धा जिला कबीरधाम द्वारा नजूल नगर कवर्धा स्थित शीट क्रं. 17 भू-खण्ड क्र. 492 क्षेत्रफल 148.00 व.मी. जो नजूल संधारण खसरा में भरत पिता रूरराम साहू के नाम पर दर्ज है। उक्त भू-खण्ड के मूल धारक भरत की मृत्यु दिनांक 31.10.2017 एवं उनके पुत्र अजय की मृत्यु दिनांक 06.01.2024 को हो जाने के कारण उनके वैध वरिसों का नाम नजूल अभिलेख में दर्ज किये जाने उतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति एवं संस्था को उजर अथवा आपत्ति हो वे इस न्यायालय में दिनांक 29/7/24 तक स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर मान्य नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 2/7/24 को इस न्यायालय के पद मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

जारी दिनांक 2/7/2024
पेशी दिनांक 29/7/2024

नजूल अधिकारी
कबीरधाम
मुहर

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)
मामला क्रमांक / /23-24
//ईश्तहार//

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गौतम दत्ता साकिन बोरसी दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग द्वारा अपने सेफाली दत्ता पति गौरंगचंद दत्ता की मृत्यु दिनांक 11/04/2021 को हो चुकी है। उक्त संबंध में मृत्यु प्रमाण पत्र चाहा गया है, जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था इस संबंध में आपत्ति दावा था उजर पेश करना होतो दिनांक 20/07/24 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है।

आज दिनांक 09/07/24 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
जिला दुर्ग (छ.ग.)
मुहर

न्यायालय नजूल अधिकारी कबीरधाम (छ.ग.)
//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र.: 202407082200012 अ/20 (4), वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रमोद मिश्रा पिता गेंदलाल मिश्रा साकिन कवर्धा जिला कबीरधाम ने नगर कवर्धा स्थित भूमि खसरा नंबर 77/28 रकबा 0.0185 हे. जो कि प्रमोद मिश्रा पिता गेंदलाल मिश्रा के नाम पर अभिलेख में दर्ज है। जिसमें से आवेदक द्वारा क्षेत्रफल 113.00 वर्गमीटर पर ग्राउण्ड फ्लोर आवासीय प्रयोजन हेतु संलग्न नक्शे के अनुसार पक्का मकान (भवन) निर्माण किये जाने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने की मांग किया है।

अतः इस अनापत्ति प्रमाण पत्र के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था को उजर अथवा आपत्ति हो वे इस न्यायालय में दिनांक 23/7/2024 तक स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति पेश कर सकते हैं। अतः आज दिनांक 09/7/2024 को इस न्यायालय के गये मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

जारी दिनांक :- 09/7/2024
पेशी विनांक 23/7/2024

नजूल अधिकारी
कबीरधाम
मुहर

//आम सूचना//
कार्यालय रिटर्निंग अधिकारी शिवाजी सहकारी प्राथमिक उपभोक्ता भण्डार मर्यादित कुथरेल, जिला-दुर्ग, पंजीयन क्रमांक 3084

राज्य सहकारी निर्वाचन आयोग छत्तीसगढ द्वारा जारी आदेश क./रा.स.हनि.आ. / निर्वाचन / डी. आर.जी-193/2024/325 रायपुर, दिनांक 01.03.2024 के परिपालन में संस्था शिवाजी सहकारी प्राथमिक उपभोक्ता भण्डार मर्यादित कुथरेल, जिला दुर्ग, पंजीयन क्रमांक 3084 के संचालक मंडल के निर्वाचन हेतु रिटर्निंग अधिकारी प्रजय सोनी द्वारा आज दिनांक 09/07/2024 को संस्था के बोर्ड / मंडल के निर्वाचन हेतु निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया है, निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 17/07/2024 को नामांकन फार्म लिये जायेंगे। दिनांक 18/07/2024 को नामांकन फार्मों की जाच की जावेगी दिनाक 19/07/2024 को नाम वापसी, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के सूची का प्रकाशन एवं चुनाव चिन्ह आबंटन किया जावेगा। निर्वाचन (मतदान) दिनाक 25/07/2024 को 12:00 बजे 03:00 बजे तक स्थान-संस्था कार्यालय में कराया जायेगा। मतदान के एक घंटे के पश्चात् मतगणना प्रारंभ किया जायेगा। तदोपरांत परिणाम की घोषणा की जावेगी। दिनांक 30/07/2024. समय 12:00 बजे से 2:00 बजे तक अध्यक्ष/उपाध्यक्ष एवं अन्य सोसाइटियों के प्रतिनिधियों तथा अन्य पदाधिकारियों का निर्वाचन कराया जावेगा।

(प्रजय सोनी)
रिटर्निंग अधिकारी
शिवाजी सहकारी प्राथमिक उपभोक्ता भण्डार मर्यादित कुथरेल, जिला-दुर्ग, पंजीयन क्रमांक 3084

निधन : पवन कुमारखेतान

दुर्ग। कादंबरी नगर दुर्ग निवासी पवन कुमार खेतान का आकस्मिक निधन हो गया। वे 66 वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार शिवनाथ नदी मुक्ति धाम में किया गया वे नारायण एवम प्रकाश खेतान के बड़े भाई और प्रशांत खेतान के पिता थे।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202407101000006
//ईश्तहार//

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2023-2024, कुरूद (प ह न 00046),
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार चोवाराम, राजा राम, रेवा राम,
अनावेदक पक्षकार - गुरविंदर पाल सिंह भाटिया, गुरजीत सिंह भाटिया, गुरमीत सिंह भाटिया, हरमीत सिंह भाटिया, रविन्द्र पाल सिंह भाटिया,
प्रति हल्का पटवारी ग्राम कुरूद प.ह.न.46

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.) का रा, अपील प्रकरण क्रमांक 202307100400473/ वर्ष 2022-23 में पारित आदेश दिनांक 16.05.2024 अनुसार अपीलार्थीगण चोवाराम आ. स्व. भूलउ राम एवं अन्य 02 विरुद्ध गुरुविंदर पाल सिंह आ. सव. त्रिलोक सिंह एवं अन्य 05 में ग्राम कुरूद प.ह.न. 46 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला - दुर्ग स्थित भूमि ख.न. 339/1, 339/2 रकबा 1.030., 1.030 हे. भूमि में अनावेदकगण का नाम विलोपित कर आवेदकगण का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदनपत्रमय दस्तावेज एवं अ.वि.अ. आदेश की प्रति प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में जाँच प्रतिवेदन 22/07/2022 को या उसके पूर्व प्रस्तुत करे।

यह ज्ञापन मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/07/2024 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर
मुहर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202407101000023
//ईश्तहार//

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः-2023-2024
कुरूद प.ह.न. 00046 [1557/3(0.0200 हे.)] पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार निशा देवी, श्रीमती शीला देवी, अनावेदक पक्षकार -हुबराजी बेवा रामलोट,

आवेदक - श्रीमती शीला देवी आ. स्व. रामलोट निवासी सेक्टर 11 खुर्सीपार द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.न. 45 रा.नि.म. कोहका, तहसील व् जिला - दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न. 1557/3 रकबा 0.02 हे. है जो आवेदिका की श्रीमती हुबराजी बेवा रामलोट के नाम पर दर्ज है। भूमिस्वामी श्रीमती हुबराजी बेवा रामलोट की मृत्यु दिनांक 12.10.2008 को हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसनो का नाम दर्ज किये जाने हेतु फौती नामांतरण बाबत आवेदन पत्र मय खसरा बी.।. मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया की प्रति प्रस्तुत किया है!

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 25.07.2024 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/07/2024 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर
मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग, जिला दुर्ग

रा.प्र.क्र. / ई-कोर्ट रजि.नं.	पक्षकार का नाम
202407100400 , अ-2/2 सन् 2023-24	सैय्यद जिया जाफर

उद्घोषणा पत्र

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सैय्यद जिया जाफर पिता एस.एस. जाफर निवासी एच.आई.जी. 1/151 बोरसी, तहसील व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन / पुर्ननिर्धारण हेतु छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2) (5) के तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है ।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं. जहां आवेदित भूमि स्थित है	खसरा नम्बर	रकबा (क्षेत्रफल)	प्रयोजन
ग्राम- बोरसी/39 तहसील व जिला दुर्ग	224/50	0.033 हे. /3600 वर्गफीट	आवासीय

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति- दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 05/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
दुर्ग, जिला दुर्ग
मुहर

कार्यालय-सेनानी, 21वी वाहिनी (भा.र.) छसबल करकाभाट, जिला-बालोद (छ.ग.)
कं.-21वी वाहिनी/छसबल/करकाभाट/सा.अ./निविदा-01/1/671-A/24 दिनों क-.07.24

:: मैनुवल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना ::

सेनानी, 21वी वाहिनी (भा.र.) छसबल मुख्यालय करकाभाट, जिला-बालोद (छ.ग.) में वाहिनी कोत के लिए रायफल रेक एवं मैगजीन पोच (**SLR**, **INSAS** एवं **AK**-47) कय करने हेतु सेनानी, 21वी वाहिनी की ओर से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निर्माता एवं उसके अधिकृत विक्रेताओं से 02 लिफाफा पद्धति में (लिफाफा 'अ' में टेक्निकल बीड एवं लिफाफा 'ब' में फाइंनेसियल बीड) सामग्री कय बाबत मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। सीलबंद लिफाफा के ऊपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम/पता का लेख किया जाना आवश्यक है।

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (लाख रूपये में)	सुरक्षा निधि
01	रायफल रेक (क्षमता 20 रायफल)	11.00 लाख	33,000/-
02	मैगजीन पोच (**SLR**, **INSAS**, **AK**-47)	09.60 लाख	28,800/-

01. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की तिथि दि. 09.07.24 से दि. 06.08.24 के 10.00 बजे से कार्यलयीन समय 17.00 बजे तक 02. निविदा प्रपत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 07.08.2024 के शाम 03.00 बजे तक 03. निविदा खोलने की तिथि 07.08.2023 समय शाम 04.00 बजे सभी निविदाकारो की उपस्थिति में खोला जावेगा।

नोटः-
निविदा प्राप्त करने हेतु राशि-750/- (रूपये सात सौ पचास मात्र) का चालान 21वी वाहिनी (भा.र.) छसबल करकाभाट-बालोद (छ.ग.) के नाम से लेखा शीर्ष "0055 पुलिस मिसलिनियस रिसिप्ट" के नाम से स्वीकार्य होगा। निविदा की अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालय से प्राप्त निविदा फार्म में उपलब्ध करा दी जावेगी।

जी- 242500947/2

सेनानी
21वी वाहिनी (भा.र.) छसबल
करकाभाट, जिला-बालोद (छ.ग.)

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

एक पेड़ माँ के नाम

महावृक्षारोपण अभियान
11 जुलाई 2024

चलव बनाबो हरियर छत्तीसगढ़

प्रदेश में रोपे जाएँगे करीब 4 करोड़ पौधे

“आइये जननी और जन्मभूमि के रिश्ते को नई पहचान दें, पौधा लगाकर उसे संरक्षित करें।”

- श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे